

दूसर समूह

दाऊद क साऊल क मउत क पता चलत ह

1 अमालेकियन क हरावइ क पाछे दाऊद सिकलग लउटा अउर हुवाँ दुइ दिन ठहरा। इ साऊल क मउत क पाछे भवा। 2तीसरे दिन, एक ठु नउजवान सिकलग आवा। उ साऊल क फउजी सिबिर स आए रहेन। उ मनई क ओढ़ना फटे रहेन अउर ओकरे मूँड़े पइ धूरि रही।* उ मनई दाऊद क लगे आवा अउर दाऊद क समन्वा मुँहै क बल गिरिके दण्डवत कहिस।

3दाऊद उ मनई स पूछेस, “तू कहाँ स आवा अहा?”

उ मनई दाऊद क जवाब दिहस, “मई इस्त्राएलियन क सिबिर स बचि निकरा हउँ।”

4दाऊद ओहसे कहेस, “कृपा कइके मोका इ बतावा कि जुद्ध कउन जीतेस?”

उ मनई जवाब दिहस, “हमार लोग जुद्ध स पराइ गएन। बहोत सारा लोग जुद्ध में मार डावा गएन। साऊल अउ ओकर पूत योनातन दुइनउँ मर गएन ह।”

5दाऊद नउजुवक स पूछेस, “तू कइसे जानत अहा कि साऊल अउ ओकर पूत योनातन दुइनउँ मर गएन ह?”

6नउजुवक दाऊद स कहेस, “मई गिलबो पर्वत पइ रहेउँ। हुवाँ मई साऊल क अपने भाले पइ निहुरन लखेउँ। पलिस्ती रथ अउ घुड़सवार साऊल क नज़दीक स नज़दीक आवत रहेन। 7साऊल पाछे मुड़ा अउर उ मोका लखेस। उ मोहका गोहराएस। मई जवाब दिहेउँ, मई हिआँ अहउँ। 8तब साऊल मोहसे पूछेस, ‘तू कउन अहा?’ मई जवाब दिहेउँ, ‘मई अमालेकी हउँ।’ 9साऊल कहेस, ‘कृपा कइके मोका मार डावा। मई बुरी तरह घायल हउँ अउर मई वइसे भी लगभग मरि गवा हउँ।’ 10एह बरे मई रुकेउँ अउर ओका मार डाएउँ। उ एतना बुरी तरह घायल रहा कि मई समुझ गएउँ कि उ जिअत नाहीं रहि सकत। तब मई ओकरे मूँड़े स मुकुट अउ भुजा स बाजूबन्द उतारेउँ अउर मोर सुआमी, मई मुकुट अउ बाजूबन्द हिआँ आप क खातिर लिआए अहउँ।”

11तब दाऊद अपने ओढ़नन क इ परगट करइ बरे फार डाएस कि उ बहोत सोक में बूड़ा अहइ। दाऊद क संग सबहि लोग अइसा ही किहेन। 12दाऊद अउर ओकर मनइयन बहोत दुःखी रहेन अउर रोए रहेन। उ पचे साँझ तलक कछू खाएन नाहीं। उ पचे दाऊद क लोगन बरे रोएन जउन मारा ग रहेन। उ पचे एह बरे रोएन कि साऊल, ओकर पूत योनातन अउर बहोत स इस्त्राएली जुद्ध में मारा ग रहेन।

उ मनइ ... धूरि रही इ दिखावत ह कि उ मनई बहोत दःखी रही।

दाऊद अमालेकी क मार डावइ क हुकुम देत ह

13दाऊद उ जुवक स बातचीत किहस जउन साऊल क मउत क सूचना दिहस। दाऊद पूछेस, “तू कहाँ क निवासी अहा?”

जुवक जवाब दिहस, “मई एक बिदेसी क पूत हउँ। मई अमालेकी हउँ।” 14दाऊद जुवक स पूछेस, “तू यहोवा क चुने राजा क मारइ स ससान काहे नाहीं भया?”

15-16तब दाऊद अमालेकी जुवक स कहेस, “तू खुद आपन मउत क बरे जिम्मेदार अहा। तू कह्या कि तू यहोवा क चुने राजा क मार डाया। एह बरे तोहार खुद क सब्दन तोहका अपराधी सिद्ध किहन ह।” तब दाऊद आपन सेवक जुवकन में स एक ठु जुवक क बोलाएस अउर अमालेकी क मार डावइ क कहेस।” इस्त्राएली जुवक अमालेकी क मार डाएस।

साऊल अउ योनातन क बारे में दाऊद क सोकगीत

17दाऊद साऊल अउ ओकर पूत योनातन क बारे में एक ठु सोकगीत गाएस। 18दाऊद अपने मनइयन स इ गीत क यहूदा क लोगन क सिखावइ क कहेस, इ सोकगीत क धनुस कहा गवा ह। इ गीत यासार क किताबे में लिखा बाटइ।

19“ओह इस्त्राएल, तोहार महिमा तोहरे पहाड़न में मटियामेट भवा। ओह, कइसे उ सूखीर जुद्ध में हार गएन।

20एका गत में न कहा, एका अस्कलोन क गलियन में एलान न करा। उ पचे पलिस्तिन क सहर एहसे खुस होइहीं। उ पचे विदेसियन खुस होइहीं।

21मोर इच्छा अहइ कि गिलबो क पर्वत पइ ओस अउर बर्खा न होइ, मोर इच्छा अहइ कि ओन खेतन स आवइवाली बलि-भेंटन न होई। सक्तीसाली मनसेधुअन क ढाल अइसा फैंकि जाइ जइसे इ बेकार रही। साऊल क ढाल जियादा दिना तलक तेल स पालिस कीन्ह भइ नाहीं रही।

22योनातन क धनुस अपने भाग क दुस्मनन क मारेस, अउर साऊल क तरवार अपने हीसे क दुस्मनन क मारेस। उ पचे ओन मनइयन क खून स धब्बा लगाएन जउन अब मरि चुका अहइ, उ पचे उ सक्तीसाली मनइयन क चर्बी क काटि दिहिस।

23साऊल अउ योनातन, एक दूसर स पिरिम करत रहेन। उ पचे एक दूसर स सुखी रहेन जब तलक उ पचे जिअत रहेन, साऊल अउर योनातन मउत तलक में भी साथ रहेन। उ पचे उकाब स भी तेज जात रहेन, उ पचे सेर स जियादा बरिआर रहेन।

24इस्त्राएल क बिटियो, साऊल खातिर रोवा। साऊल तोहका लाल पहिरावा दिहस, साऊल तोहरे ओढ़नन पड़ सोने क जेवर सजाएस ह।

25सक्तीसाली मनसेधू जुद्ध में काम आएन। योनातान गिलबो पहाड़े पड़ मरा।

26मोर भाई योनातान, मई तोहरे खातिर रोवत हउँ। मोका तोहार दोस्ती स बहोत आनन्द मिलेस ह। तोर पिरेम मोरे बरे एक ठु मेहरारू क पिरेम जियाद रहा।

27सक्तीसाली मनसेधू जुद्ध में काम आएन, जुद्ध क सस्त्र चले गएन ह।”

दाऊद अउ ओकर लोग हेब्रोन जात हीं

2 पाछे दाऊद यहोवा स पराथना किहस। दाऊद कहेस, “का मोका यहूदा क कउनो नगर में जाइ चाही?”

यहोवा दाउद स कहेस, “जा” दाऊद पूछेस, “मोका कहाँ जाइ चाही?” यहोवा जवाब दिहस, “हेब्रोन क।”

2एह बरे दाउद हुवाँ गवा। ओकर दुइनउँ मेहररूअन ओकरे संग गइन। (उ पचे यिज्जेली क अहीनोअम अउ कर्मेल क नाबाल क राँड अबीगैल रहिन।) 3दाऊद अपने लोगन अउ ओनके परिवारन क भी लिआवा। उ पचे हेब्रोन अउ निचके क नगरन में बस गएन।

दाऊद याबेस क लोगन क धन्यवाद देत ह

4यहूदा क लोग हेब्रोन आएन अउर उ पचे दाऊद क अभिसेक यहूदा क राजा क रूप में किहन। तब उ पचे दाऊद स कहेन, “याबेस गिलाद क मनइयन साऊल क दफनाएन।”

5दाऊद याबेस गिलाद क लोगन क लगे दूत पठाएस। एन दूत याबेस गिलाद क लोगन क दाऊद क सँदिसा दिहस: “यहोवा तोहका आसीबाद देइ, काहेकि तू लोग अपने सुआमी साऊल बरे, ओकर जरी भइ हड्डियन क दफनाइके दया देखीया ह। 6यहोवा अब तोहरे बरे दयालु अउ सच्चा रही। मई भी तोहरे बरे दयालु रहब काहेकि तू लोग जरी भइ हड्डियन क दफनाया ह। 7अब, सक्तीसाली अउ बीर बना, तोहार सुआमी साऊल मर चुका अहई, अउ यहूदा क परिवार समूह अपने राजा क रूप में मोर अभिसेक किहेस ह।”

ईसबोसेत राजा होत ह

8नेर क पूत अब्नेर साऊल क फउज क सेनापति रहा। अब्नेर साऊल क पूत ईसबोसेत क महनैम लइ गवा। 9उ ठउरे पड़ अब्नेर ईसबोसेत क गिलाद, आसेर, यिज्जेल, एप्रैम, अउ बिन्यामीन अउर समस्त इस्त्राएल* क राजा बनाएस। ईसबोसेत सारे इस्त्राएल क राजा बन गवा। 10ईसबोसेत साऊल क पूत रहा। ईसबोसेत चालीस बरिस क रहा जब उ इस्त्राएल पड़ सासन करब सुरू किहेस। उ दुइ बरिस तलक

समस्त इस्त्राएल कबहुँ-कबहुँ एकर अरथ अहइ पूरा इस्त्राएल क देस, यानी यहूदा अउर इस्त्राएल। हिवाँ एकर अरथ अहइ सिरिफ इस्त्राएल क उहइ परिवार समूहन जउन यहूदा क परिवार स जुड़ा भवा नाही रहेन।

सासन किहस। किन्तु यहूदा क परिवार समूह दाऊद क अनुसरण करत रहा। 11दाउद हेब्रोन में यहूदा क परिवार समूह क राजा सात बरिस छः महीने तलक रहा।

प्राण घातक मुकाबला

12नेर क पूत अब्नेर अउ साऊल क पूत क अधिकारी लोग ईसबोसेत महनैम क तजेन। उ पचे गिबोन क गएन। 13सरूयाह क पूत योआब अउ दाऊद क सेवकगण भी गिबोन गएन। उ पचे अब्नेर अउ ईसबोसेत क सेवकन स, गिबोन क तालाब पड़ मिलेन। अब्नेर क टोली तालाब क एक कईती बइठी रही। योआब क टोली तालाब क दूसरी ओर बइठी रही।

14अब्नेर योआब स कहेस, “हम लोग जुवकन क खड़ा होइ देइ अउर हिआँ एक मुकाबला होइ जाइ द्या।” योआब कहेस, “हाँ, ओनमाँ मुकाबला होइ जाइ दया।”

15तब जुवक उठेन। दुइनउँ टोलियन मुकाबला बरे अपने जुवकन क गनेन। बियामीन क परिवार समूह स बारह जुवक मनइयन साऊल पूत ईसबोसेत क तरफ स जुद्ध बरे चुना गएन, अउर बारह जुवक दाऊद क मनइयन में स चुने गएन।

16हर एक जुवक अपने दुस्मन क मूँड़े क धरेस अउ आपन तरवार अन्दर भोंक दिहस। एह बरे जुवक मनइयन एक ही संग गिर पड़ेन। इहइ कारण अहइ कि उ ठउर, “तेज चाकुअन क खेत”* कहा जात ह। इ ठउर गिबोन में अहइ।

अब्नेर असाहेल क मार डावत ह

17उ दिन मुकाबला भयंकर जुद्ध में बदल गवा। दाऊद क मनइयन अब्नेर अउ इस्त्राएलियन क हराइ दिहन। 18सरूयाह क तीन पूत रहेन, योआब, अवीस अउ असाहेल। असाहेल तेज दउड़इवाला रहा। उ जंगली हिस्न क तरह तेज दउड़त रहा। 19असाहेल अब्नेर क पाछा किहस। असाहेल सोझइ अब्नेर कईती दउड़ गवा। 20अब्नेर मुड़िके लखेस अउर पूछेस, “का तू असाहेल अहा?” असाहेल कहेस, “मई हउँ।”

21अब्नेर असाहेल क चोट नाहीं पहाँचावइ चाहत रहा। तब अब्नेर असाहेल स कहेस, “मोर पाछा करब तजा अपनी दाहिन या बाई कईती मुड़ा जुवकन में स कउनो एक क पाछा करा अउर ओकर कवच अपने बरे लइ ल्या।” किन्तु असाहेल अब्नेर क पाछा करब तजइ स इन्कार कइ दिहस।

22अब्नेर असाहेल स फुन कहेस, “मोर पाछा करब तजा। जदि तू पाछा करब नाहीं तजत्या तउ मई तोहका मार डाउब। जदि मई तोहका मार डाउब तउ मई फुन तोहरे भाई योआब क मुँह नाहीं लखि सकब।”

23किन्तु असाहेल अब्नेर क पाछा करब नाहीं तजेस। एह बरे अब्नेर आपन भाला क पिछले हींसा क उपयोग किहस अउर असाहेल क पेट में ओका घुसेइ दिहस। भाला

तेज चाकुअन क खेत या, “हेल्कत-हस्सूमि।”

असाहेल क पेट में एतना गहिर घँसा कि उ ओकरी पीठ स बाहेर निकरि आवा। असाहेल हुवाँ तुरंत मरि गवा।

योआब अउ अबीस अब्नेर क पाछा करत हीं

असाहेल क तन जमीन पड़ गिर पड़ा। लोग ओकरे लगे दउड़िके गएन, अउर रूक गएन। 24किन्तु योआब अउ अबीस अब्नेर क पाछा करब जारी रखेन।

जउन समइ उ पचे अम्मा पहाड़ी पड़ पहोंचेन सूरज बूडत रहा। (अम्मा पहाड़ी गहि क समन्वा गिबोन रेगिस्तान क राहे पड़ रही।) 25बिन्यामीन परिवार समूह क लोग अब्नेर क लगे आएन। उ पचे सबहिं एक संग पहाड़ी क चोटी पड़ खड़े होइ गएन।

26अब्नेर चिचियाइके योआब क गोहराएस। अब्नेर कहेस, “का हम क लड़ जाइ चाही अउर हमेसा बरे एक दूसर क मारि डवइ चाही? निहचइ ही तू जानत अहा कि एकर अन्त सिरिफ सोक होइ। लोगन स कहा कि अपने ही भाइयन क पाछा करब बन्द करइँ।”

27तब योआब कहेस, “इ जउन तू कह्या उ ठीक अहइ। यहोवा क जिन्नगी क किरिया, जदि तू कछू नाहीं कहि होतेन, तउ मनइयन अपने भाइयन क पाछा सबेरे में भी करत रहतेन।”

28तब योआब एक तुरुही बजाएस अउ ओकर लोग इस्राएलियन क पाछा करब बन्द किहन। उ पचे अउर अगवा इस्राएलियन स लड़इ क जतन नाहीं किहन।

29अब्नेर अउ ओकर लोग यरदन घाटी स होइके रात भर चलेन। उ पचे यरदन घाटी क पार किहन। उ पचे पूरे दिन चलत रहेन अउर महनैम पहोंचेन।

30योआब अब्नेर क पाछा करब बन्द करइ क पाछे अपनी फउज में वापिस लउट आवा। जब योआब लोगन क बटोरिस, दाऊद क उन्नीस सेवक लापता रहेन। असाहेल भी लापता रहा। 31किन्तु दाऊद क सेवकन बिन्यामीन परिवार समूह क तीन सौ साठ निअम्बरन क, जउन अब्नेर क अनुसरण करत रहेन, मार डाए रहा। 32दाऊद क सेवक लोग असाहेल क लिहन अउर ओका बेतलेहेम में ओकरे पिता क कब्रिस्तान में दफनाएन।

योआब अउ ओकर मनई रात भइ चलत रहेन। जब उ पचे हेब्रोन पहोंचेन तउ सूरज निकरा।

इस्राएल अउ यहूदा क बीच जुद्ध

3 साऊल क परिवार अउ दाऊद क परिवार लम्बे समइ तलक एक दूसर क खिलाफ जुद्ध करत रहा। दाऊद जियादा स जियादा बरिआर होत गवा अउर साऊल क परिवार कमजोर पड़ कमजोर होत गवा।

दाऊद क छः पूत हेब्रोन में पड़दा भएन

2दाऊद क इ सबइ पूत हेब्रोन में पड़दा भए रहेन। पहिला पूत अम्मोन रहा। अम्मोन क महतारी यिज्रेल क अहीनोअम रही। 3दूसर पूत किलाब रहा। किलाब क महतारी अबीगैल इ नाबाल क रौंड रहा जउन कर्मेल स रहा। तीसरा पूत अबसालोम रहा। अबसालोम क महतारी गसूर क राजा

तल्मै क बिटिया माका रही। 4चौथा पूत अदोनिय्याह रहा। अदोनिय्याह क महतारी हग्गीत रही। पाँचवा पूत सपत्याह रहा। सपत्याह क महतारी अबीतल रही। 5छठवाँ पूत यित्राम रहा। यित्राम क महतारी दाऊद क मेहरारू एग्ला रही। दाऊद क इ सबइ छः पूत हेब्रोन में पड़दा भएन।

अब्नेर दाऊद स मिल जाइ क फैसला करत ह

6जउने समइ साऊल क परिवार तथा दाऊद परिवार में जुद्ध चलत रहा, अब्नेर साऊल क फउज में जियादा स जियादा सक्तीसाली बन गवा। 7साऊल क दासी रिस्पा नाउँ क रही। रिस्पा अय्या क बिटिया रही। ईसबोसेत अब्नेर स कहेस, “तू मोर पिता क दासी क संग तने क सम्बन्ध काहे करत ह?”

8अब्नेर, ईसबोसेत जउन कछू कहेस, ओहसे बहोत कोहाइ गवा। अब्नेर कहेस, “मई साऊल अउ ओकरे परिवार क वफादार रहा हउँ। मई तोहका दाऊद क नाहीं दिहेउँ। मई तोहका ओहका हरावइ नाहीं दिहेउँ। मई यहूदा बरे काम करइवाला देसद्रोही नाहीं हउँ।* किन्तु अब तू कहन अहा कि मई इ बुराई कीन्ह। 9-10मई इ प्रतिग्या करत हउँ- मोका पर्ण बिस्सास ह कि अब उ सबइ कछू होब्या जउन परमेस्सर कहेस ह। यहोवा कहेस कि उ साऊल क परिवार क राज्ज क लड़ लेइ अउर एका दाऊद क देइ। यहोवा दाऊद क यहूदा अउ इस्राएल क राजा बनाई। उ दान स लड़के बेसेबा तलक हुकूमत करी। परमेस्सर मोका सज़ा दे जदि मई वइसा होइ नाहीं द्या।”

11ईसबोसेत अब्नेर स कछू भी नाहीं कहि सका। ईसबोसेत ओहसे बहोत जियादा ससान रहा।

12अब्नेर दाऊद क लगे दूत पठएस। अब्नेर कहेस, “तोहार सोचत क मुताबिक केका इ देस पड़ हुकूमत करइ चाही? मोरे संग एक ठु सन्धि करा अउर मई तोहका पूरे इस्राएल क लोगन क सासक बनइ में मदद करब।”

13दाऊद जवाब दिहस, “ठीक अहइ। मई तोहरे संग सन्धि करब। किन्तु तोहसे मई सिरिफ एक बात कहत हउँ: मई तोहसे तब तलक नाहीं मिलब जब तलक तू साऊल क बिटिया मीकल क मोर लगे भेंटइ बरे नाहीं लाउब्या।”

दाऊद आपन मेहरारू मीकल क वापिस लिआवत ह

14दाऊद साऊल क पूत ईसबोसेत क लगे दूत पठएस। दाऊद कहेस, “मोर मेहरारू मीकल क मोका वापिस करा। मई ओका पावइ बरे सौ पलिस्तिन क मोरे रहेउँ।”

15तब ईसबोसेत ओन लोगन क आदेस दिहेस कि उ लैस क पूत पलतीएल नाउँ क मनई क पास स मीकल क लड़ आवइ। 16मीकल क भतार पलतीएल मीकल क संग गवा। उ बहरीम नगर तलक मीकल क पाछे-पाछे रोवत भवा गवा। किन्तु अब्नेर पलतीएल स कहेस, “घरे लउटि जा।” एह बरे पलतीएल घरे लउटि डवा।

मई यहूदा ... नाहीं हउँ साब्दिक, “मई यहूदा क कूकुर क मूँ हउँ?”

अब्नेर दाऊद क मदद क प्रतिग्या करत ह

17अब्नेर इस्राएल क प्रमुखन क इ सँदिसा पठएस। उ कहेस, “आप लोग दाऊद क आपन राजा बनावइ क इच्छुक रहेन। 18अब एका करई। यहोवा दाऊद क बारे में कहत रहा जब उ कहे रहा, ‘मई अपने इस्राएली लोगन क पलिस्तियन अउ ओनकर सबहिं दुस्मनन स बचाउब। मई इ अपने सेवक दाऊद क जरिये करब।’”

19अब्नेर इ सबइ बातन बिन्यामीन क परिवार समूह क लोगन स कहेस। अब्नेर जउन कछू कहे रहा उ बिन्यामीन परिवार क लोगन अउ इस्राएल क सबहिं लोगन क नीक लगा। एह बरे अब्नेर हेब्रोन में दाऊद क उ सबइ सबहिं बातन बताएन, जेका करइ में इस्राएल क लोग अउ बिन्यामीन परिवार क लोग सहमत रहेन।

20जब अब्नेर दाऊद क लगे हेब्रोन आवा। उ अपने संग बीस लोगन क लिआवा। दाऊद अब्नेर क अउर ओनके संग आए सबहिं लोगन क दावत दिहस।

21अब्नेर दाऊद स कहेस, “सुआमी, मोरे राजा, मई जाब अउर सबहिं इस्राएलियन क आप क लगे लिआउब। तब उ पचे आप क संग सन्धि करिहीं, अउर आप पूरे इस्राएल पइ हुकूमत करिहीं जइसा आप चाहत हीं।”

तब दाऊद अब्नेर क बिदा किहस अउर अब्नेर सात्ति पूर्वक गवा।

अब्नेर क मउत

22योआब अउ दाऊद क अधिकारी जुद्ध स लउटिके आएन। ओनके लगे बहोत स कीमती सामान रहेन जउन उ पचे दुस्मन स लिआए रहेन। दाऊद अब्नेर क सात्तिपूर्वक जाइ दिहस। एह बरे अब्नेर दाऊद क संग हेब्रोन में नाहीं रहा। 23योआब अउर ओकर सारी फउज हेब्रोन पहाँची। फउज योआब स कहेस, “नेर क पूत अब्नेर राजा दाऊद क लगे आवा रहा अउर दाऊद ओका सात्तिपूर्वक जाइ दिहस।”

24योआब राजा क लगे आवा अउर कहेस, “इ आप का किहेन? अब्नेर आप क लगे आवा अउर आप ओका बिना चोट पहाँचाए जाइ दिहन। काहे? 25आप नेर क पूत अब्नेर क जानत हीं। उ आप क संग चाल चलइ आवा। उ ओन सबहिं बातन क पता करइ आवा रहा जउन आप करत अहई।”

26योआब दाऊद क छोड़ेस अउ सीरा क कुआँ पइ अब्नेर क लगे दूत पठएस। दूत अब्नेर क वापिस लिआएन। किन्तु दाऊद क एकर पता न चला। 27जब अब्नेर हेब्रोन आवा तउ योआब, प्रवेस दुआर क एक किनारे ओका लइ गवा अउर तब योआब अब्नेर क पेट में प्रहार किहस अउर अब्नेर मर गवा। पिछले दिनन में अब्नेर योआब क भाई असाहेल क मारे रहा। एह बरे अब योआब अब्नेर क मार डाएस।

दाऊद अब्नेर बरे रोवत ह

28पाछे दाऊद इ खबर सुनेस। दाऊद कहेस, “मई अउर मोर राज्ज नेर क पूत अब्नेर क मउत बरे निरपराध अहइ। यहोवा एका जानत ह। 29योआब अउर ओकर परिवार ऐकर

जिम्मेदार अहइ, अउर ओकरे पूरा परिवार क दोखी ठेहराइ जाइ। मोका इ आसा अहइ कि ओकरे परिवार में कछू लोग ज़खमी होइ अउर कछू भंयकर चर्मरोग स पीडित होइ या कछू लोग लंगड़ा लूला होइ, कछू जुद्ध में मारा जाइ अउर कछू बगैर भोजन क रही।”

30योआब अउर ओकर भाई अबीसै अब्नेर क मार डाएस काहेकि अब्नेर ओकरे भाई असाहेल क गिबोन क लड़ाई में मारे रहा।

31-32दाऊद योआब क संग सबहिं मनइयन स कहेस, “अपने ओढ़नन क फार डावा अउर सोक वस्त्र पहिरा। अब्नेर बरे रोवा।” उ पचे अब्नेर क हेब्रोन में दफनाएन। दाऊद अन्त्येस्टि में गवा। राजा दाऊद अउर सबहिं लोग अब्नेर क कब्र पइ रोएन।

33दाऊद अब्नेर बरे आपन सोक-गीत गाएस: “का अब्नेर कउनो मूरख अपराधी क तरह मरब रहा?”

34अब्नेर तोहार हाथ बँधे नाहीं रहेन। तोहार गोड़ जंजीरन में कसा नाहीं रहेन। नाहीं अब्नेर, तोहका दुस्टन मारेन।”

तब सबहिं लोग फुन अब्नेर बरे रोएन। 35सबहिं लोग दाऊद क दिन रहत भोजन करइ बरे प्रेरित करइ आएन। किन्तु दाऊद खास प्रतिग्या किहस। उ कहेस “परमेस्सर मोका दण्ड देइ अउर मोरे कस्टन क बढ़ावइ जदि मई सूज बूड़इ क पहिले रोटी या कउनो दूसर भोजन करउँ।” 36जउन कछू भवा सबहिं लोग लखेन अउर उ पचे ओन सबहिं कामन स सहमत भएन जउन राजा दाऊद करत रहा। 37उ दिन यहूदा क लोगन अउर सबहिं इस्राएलियन समुझ लिहन कि राजा दाऊद नेर क पूत अब्नेर क मारइ क आदेस नाहीं दिहे रहा ह।

38राजा दाऊद अपने मनइयन स कहेस, “तू लोग जानत अहा कि आज इस्राएल में एक बहोत महत्वपूर्ण नेता मरि गवा ह। 39इ सबइ उहइ दिन भवा जउने दिन मोर अभिसेक राजा क रूप में भवा रहा। किन्तु सरूयाह क पूत मोर बरे बहोत जियादा मज़बूत अहइ। यहोवा बुरा व्यक्ति क ओकरे बुरा कामन क अनुसार ओका सज़ा दइ।”

साऊल क परिवारे में परेसानियन आवत हीं

4 साऊल क पूत (ईसबोसेत) सुनेस कि अब्नेर क मउत हेब्रोन में होइ गइ। ईसबोसेत अउ ओकर सबहिं लोग बहोत जियादा ससान रहेन। 2दुइ मनई साऊल क पूत क लखइ गएन। इ दुइनउँ मनई फउज क सेनापति रहेन। एक ठु मनई क नाउँ बाना रहा अउर दूसर क नाउँ रेकाब रहा। बाना अउ रेकाब बेरोत क रिम्मोन क पूत रहेन। (उ पचे बिन्यामीन परिवार समूह क रहेन। बेरोत नगर बिन्यामीन परिवार समूह क रहा। 3बेरोत क लोग गितैम क पराइ गएन अउर उ पचे आजु हुवाँ तलक रहत हीं।)

4साऊल क पूत योनातन क एक पूत रहा जेकर नाउँ मपीबोसेत रहा, जउन लँगड़ा रहा। योनातन क पूत उ समइ पाँच बरिस क रहा, जब इ खबर मिली रही कि साऊल अउ योनातन यिज़्रेल में मारे गएन। इ पूत क धाई इ बच्चा क उठाएस अउर उ पराइ गइ। किन्तु जब धाई भागइ में हाली किहस, तउ योनातन क पूत ओकरी बाँहन स भहराइ

पड़ा। इहइ कारण रहा कि योनातन क पूत लँगड़ा होइ गवा रहा।

5बेरोत क रिम्मोन क पूत रेकाब अउ बाना, दोपहर क ईसबोसेत क घरे में गएन। ईसबोसेत गर्मी क कारण आराम करत रहा। 6-7रेकाब अउ बाना अपने घरे में इ तरह आएन माना उ पचे कछू गोहूँ लेइ जात होई। ईसबोसेत अपने बिछौना में अपने सयनकच्छ में ओलरा भवा रहा। रेकाब अउ बाना आघात किहेन अउर ईसबोसेत क मार डाएन। तब उ पचे ओकर मूँड़ि काटेन अउर ओका अपने संग लइ गएन। उ पचे यरदन घाटी स होइके रात भर चलत रहेन। 8उ पचे हेब्रोन पहुँचेन, अउर उ पचे ईसबोसेत क मूँड़ि, दाऊद क दिहन।

रेकाब अउ बाना दाऊद स कहेस, “इ आप क दुस्मन साऊल क पूत ईसबोसेत क मूँड़ि अहइ। उ आप क मारइ क जतन किहस। यहोवा साऊल अउर ओकरे परिवार क आप खातिर आजु दण्ड दिहस ह।”

9दाऊद रेकाब अउ ओकर भाई बाना क जवाब दिहस, दाऊद कहेस, “यहोवा क जिन्नगी क किरिया, उ मोका सबहिं आपत्तियन स बचाएस ह। 10किन्तु बीते दिन मैं एक मनई सोचेस कि उ मोरे बरे अच्छी खबर लिआई। उ मोहसे कहेस, ‘साऊल मर गवा।’ ओका आसा रही कि मई ओका इ खबर क लिआवइ क कारण पुरस्कार देब। किन्तु मई उ मनई क धरेउँ अउर सिकलगा मैं मार डाएँ। 11एह बरे अब मई तू पचन क मारि के ईसबोसेत क मृत्यु क बदला लेब काहेकि दुस्त मनइयन एक नीक मनई क, उ समई मारेस ह जब उ अपने घरे क सयन कच्छ में बिछउना पइ आराम करत रहा। तू पचे जिअत नाही रहब्या। मई धरती क तू पचन्क स मुक्त करब।”

12दाऊद जुवकन क आदेस दिहस कि उ पचे रेकाब अउ बाना क मार डावई। तब, जुवकन रेकाब अउ बाना क हाथ-पैर काट डाएन अउर हेब्रोन क झरना क सहारे लटकाइके मार डाएस। तब, उ पचे ईसबोसेत क मूँड़ि क लिहस अउर उहइ ठउरे पइ ओका दफनाएस, जउने ठउरे पइ हेब्रोन में अबेरे क दफनावा गवा रहा।

इस्राएली दाऊद क राजा बनावत हीं

5 तब इस्राएल क सारे परिवार समूहन क लोग दाऊद क लगे हेब्रोन आएन। उ पचे दाऊद स कहेन, “हम सब एक ही मांस अउर खून क अहई। 2बीते जमाने मैं जब साऊल हमार राजा रहा, तउ उ पचे आप ही रहेन जउन इस्राएल क बरे जुद्ध मैं हमार नेतृत्व करत रहेन अउर आप इस्राएल क जुद्धन स वापिस लिआएन। यहोवा आप स कहेस, ‘तू मोरे लोग अर्थात इस्राएलियन क गड़रिया होब्या। तू इस्राएल क सासक होब्या।”

3इस्राएल क सबहिं प्रमुखन राजा दाऊद क लगे हेब्रोन में मिलइ बरे आएन। दाऊद एन प्रमुखन क संग हेब्रोन में यहोवा क मोजुद्गी मैं एक ठु सन्धि किहेन। तब उ पचन इस्राएल क राजा क रूप मैं दाऊद क अभिसेक किहन।

4दाऊद उ समइ तीस बरिस क रहा जब उ हुकूमत करब सुरू किहेस। उ चालीस बरिस हुकूमत किहस। 5उ हेब्रोन में

अउर यहूदा पइ सात बरिस, छः महीने तलक हुकूमत किहस अउर उ, सारे इस्राएल अउ यहूदा पइ यरूसलेम मैं तैतीस बरिस तलक हुकूमत किहस।

दाऊद यरूसलेम नगर क जीतत ह

6राजा अउ ओकर मनइयन यरूसलेम मैं यबूसियन क खिलाफ जउन यरूसलेम मैं रहत रहेन जुद्ध करइ बरे गएन। यबूसियन दाऊद स कहेन, “तू हमरे नगर मैं नाही आइ सकत्या। हिआँ तलक कि एक आँधर अउ लँगड़ा भी तोहका रोक सकत हीं।” (उ पचे अइसा एह बरे कहत रहेन काहेकि उ पचे सोचत रहेन कि दाऊद ओनके नगर मैं प्रवेस नाही करइ सकत्या। 7किन्तु दाऊद सिथ्योन क किला लइ लिहस। इ किला दाऊद-नगर बना।)

8उ दिन दाऊद अपने लोगन स कहेस, “जदि तू लोग यबूसियन क हरावइ चाहत अहा, तउ जलसुरंग स जा अउर ओन ‘आँधर अउ अपाहिज’ दुस्मनन पइ हमला करा।” इहइ कारण अहइ कि लोग कहत हीं, “आँधर अउ विकलंग घरे* मैं नाही आइ सकतेन।”

9दाऊद किले मैं रहत रहा अउर एका “दाऊद क नगर” कहत रहा। दाऊद उ छेत्र क बनाएस अउर मिल्लो नाउँ दिहस। उ नगर क भीतर दूसर भवन भी बनाएस। 10दाऊद जियादा स जियादा सक्तीसाली होत गवा काहेकि सर्वसक्तीमान यहोवा ओकरे संग रहा। 11सोर क राजा हीराम दाऊद क लगे दूतन क पठएस। हीराम देवदारू क बृच्छ, बढई अउ राजमिस्त्री लोगन क भी पठएस। उ पचे दाऊद बरे एक ठु महल बनाएस। 12उ समइ दाऊद जान गएन कि यहोवा ओका फुरइ इस्राएल क राजा बनाएस ह। दाऊद इ भी जान गएन कि यहोवा ओकरे राज क परमेस्सर क लोगन, अर्थात इस्राएलियन बरे बहोत महान बनाएस ह।

13दाऊद हेब्रोन स यरूसलेम चला गवा। यरूसलेम मैं दाऊद अउर जियादा अउ पत्नियन अउ उप-पत्नियन क पाएस। ओका हुवाँ बहोत अधिक बेटवन अउर बिटियन भएन। 14यरूसलेम मैं पइदा भए दाऊद क पूतन क नाउँ इ सबइ अहई: सम्मू, सोबाब, नातान, सुलैमान, 15दिभार, एलोस नेपेग, यापी 16एलीसामा, एल्यादा अउ एलीपेलेत।

दाऊद पलिस्तियन क खिलाफ जुद्ध मैं जात ह

17पलिस्तियन इ सुनेन कि इस्राएलियन दाऊद क अभिसेक इस्राएल क राजा क रूप मैं किहेस ह तब सबहिं पलिस्ती दाऊद क मार डावइ बरे ओकर खोज करइ बाहरे निकरेन। किन्तु दाऊद क इ खबर मिल गइ। उ एक किला मैं चल गवा। 18पलिस्ती आएन अउर रपाईस क घाटी मैं उ पचे आपन डेरा डाएन।

19दाऊद बात कइके यहोवा स पूछेस, “का मोका पलिस्तियन क खिलाफ जुद्ध मैं जाइ चाही? का तू मोका पलिस्तियन क हरावइ देब्या?”

यहोवा दाऊद स कहेस, “जा, काहेकि मई निहचइ ही, पलिस्तियन क हरावइ मैं तोहार मदद करब।”

घर सम्भवत, एकर अरथ अहइ राजा क महल या मन्दिर।

20तब दाऊद बालपरासीम आवा। हुवाँ उ पलिस्तियन क हराएस। दाऊद कहेस, “यहोवा मोरे समन्वा मोरे दुस्मनन क फउज क इ तरह दउड भगाएस जइसे जल बाँथ क तोरिके बहत ह।” इहइ कारण अहइ कि दाऊद उ ठउरे क नाउँ “बालपरासीम” रखेस। 21पलिस्तियन बालपरासीम में अपनी देवमूरतियन क पाछे तजि दिहन। दाऊद अउ ओकर लोग ओन देवमूरतियन क हुवाँ स हटाइ दिहन।

22पलिस्ती फुन आएन अउर रपाईम क घाटी में उ पचे डेरा डाएन।

23दाऊद यहोवा स पराथना किहस। इ समइ यहोवा कहेस, “ओन लोगन पई सामन्वा स हमला जिन करा। ओनके चारिहुँ कइँती ओनकर फउज क पाछे स जा। तूत बृच्छन क लगे ओन पर हमला करा। 24तूत बृच्छन क चोटी स तू पलिस्तियन क सामरिक प्रमाण क ध्वनि सुनब्या। तब तू पचन्क हाली स करइ चाही, काहेकि उ समइ यहोवा जाइ अउर तोहरे बरे पलिस्तियन क हराइ देइ।”

25दाऊद उहइ किहस जउन करइ क बरे यहोवा आदेस दिहे रहा। उ पलिस्तियन क हराएस। उ ओनकर पाछा सबइ रास्ते स गोबा स गेजेर तलक किहस।

परमेस्सर क पवितर सन्दूख यरूसलेम लिआवा गवा

6 दाऊद फुन इस्राएल क सबहिं चुने गए तीस हजार लोगन क बटोरेस। 2तब दाऊद अउ ओकर सबहिं लोग यहूदा क बाले* में स परमेस्सर क पवितर सन्दूख क यरूसलेम में लइ बरे गएन। पवितर सन्दूक सर्वसक्तीमान यहोवा क नाउँ स जाना जात हीं। पवितर सन्दूख यहोवा क सिंहासन क तरह अहइ। पवितर सन्दूख क ऊपर करूब क मूरतियन अहइँ, अउर यहोवा एन सरगदूतन पइ राजा क तरह बइठत ह। 3उ पचे परमेस्सर क सन्दूख क एक तु नवी गाड़ी में रखेन। उ पचे गिबियाह में एक पहाड़ी पइ स्थित अबीनादाब क घरे स पवितर सन्दूख क लइ जात रहेन, उज्जा अउ अहहयो अबीनादाब क पूतन नवी गाड़ी चलावत रहेन। 4जब उ पचे गिबियाह में अबीनादाब क घर जउन पहाड़ी प रहा स पवितर सन्दूख क लइ जात रहेन। अहहयो सन्दूखवाली गाड़ी क आगे-आगे चलत रहेन। 5दाऊद अउ सबहिं इस्राएली यहोवा क समन्वा पूरे उत्साह क संग नाचत अउ गावत रहेन अउर सबइ प्रकार क संगीत यंत्र जइसे: वीणा, सितार, ढोल, झाँझ अउ मँजीरा बजावत रहेन। इ सबइ सनौवर क लकड़ी क बना रहेन। 6जब दाऊद क लोग नकोन खरिहाने में आएन तउ बर्धा लइखड़ाइ पड़ेन। परमेस्सर क पवितर सन्दूख बन्द गाड़ी स गिरइ लाग। उज्जा पवितर सन्दूखे क धइ लिहस। 7यहोवा उज्जा पइ कोहाइ गवा अउर ओका मार डाएस। उज्जा पवितर सन्दूख छुइके परमेस्सर बरे अस्त्रद्धा देखीएस। उज्जा हुवाँ परमेस्सर क पवितर सन्दूख क बगल में मरा। 8दाऊद बहोत कोहाइ गवा काहेकि यहोवा उज्ज क आपन क्रोध में मार डाए रहा। दाऊद उ जगह क “पेरेसुज्जा” कहेस। उ जगह आजु तलक पेरेसुज्जा कहा जात ह।

यहूदा क बाले दूसर नाउँ किर्यात-येरिम अहइ। लखा 1 इतिहास 13:6

9दाऊद उ दिन यहोवा स डर गवा। दाऊद कहेस, “अब मई यहोवा क पवितर सन्दूख हिआँ कइसे लाइ सकत हउँ?”

10एह बरे दाऊद यहोवा क पवितर सन्दूख क दाऊद नगर में नाहीं लेइ चाहत रहा। उ पवितर सन्दूख क गत स आए भए एक मनई ओबेदोदोम क घरे में रखेस। दाऊद एका सड़क स गत क ओबेदोदोम क घर लइ गवा। 11यहोवा क सन्दूख ओबेदोदोम क घरे में तीन महीने तलक रहा। यहोवा ओबेदोदोम अउ ओकरे सारे परिवार क आसीर्वाद दिहस।

12लोग दाऊद स कहेन, “यहोवा ओबेदोदोम क परिवार अउर ओकर सारी चिजियन क आसीर्वाद दिहस काहेकि परमेस्सर क पवितर सन्दूख हुवाँ अहइ।” एह बरे दाऊद गवा अउ ओबेदोदोम क घरे स परमेस्सर क पवितर सन्दूख क दाऊद नगर स लइ आवा। दाऊद एका खुसी स किहस। 13जब यहोवा क पवितर सन्दूखे क लइ चलइवाले छ कदम चलन तउ उ पचे रूक गएन अउर दाऊद एक तु बर्धा अउ एक तु माटेवार बछवा क बलि भेंट किहेस। 14तब दाऊद यहोवा क समन्वा पूरे उत्साह क संग नाच किहेस। दाऊद सूती कपड़ा क एपोद पहिर रखे रहा।

15दाऊद अउर सबहिं इस्राएली यहोवा क पवितर सन्दूख क नगर लिआवत समइ उल्लास स उद्घोस करइ अउर तुरूही बजावइ लागेन। 16साऊल क बिटिया मीकल खिड़की स लखत रही जब यहोवा क पवितर सन्दूख नगर में आवा। दाऊद यहोवा क समन्वा नाचत अउ कूदत रहा। मीकल इ लखेस अउर उ आपन हिरदय में तुच्छ समझेस।

17दाऊद पवितर सन्दूखे बरे एक तु तम्बू लगाएस। इस्राएलियन यहोवा क सन्दूख क तम्बू में ओकरी जगह पइ रखेस। तब दाऊद होमबलि अउ मेलबलि यहोवा क चढ़ाएस।

18जब दाऊद होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाउब पूरा किहस तब उ सर्वसक्तीमान यहोवा क नाउँ पइ लोगन क आसीर्वाद दिहस। 19दाऊद रोटी, किसमिस क टुकड़ा, अउर खजूर क रोटा क हींसा इस्राएल क हर एक मेहरारू मनसेधू क दिहस। तब सबहिं लोग अपने घर चले गएन।

मीकल दाऊद क डाटत ह

20दाऊद अपने घरे में आसीर्वाद देइ गवा। किन्तु साऊल क बिटिया मीकल ओहसे भेटइ निकरि आइ। मीकल कहेस, “आज इस्राएल क राजा अपना ही सम्मान नाहीं किहस। तू अपनी प्रजा क दासियन क समन्वा आपन ओढ़ना उतार दिहा। तू उ मूरख क तरह रह्या जउन बगैर लज्जा क आपन ओढ़ना उतारत ह।”

21तब दाऊद मीकल स कहेस, “यहोवा मोका चुनेस ह, न कि तोहार बाप अउ ओकरे परिवार क कउनो मनई क। यहोवा मोका इस्राएल, अपने लोगन क मार्ग दर्सक बनवई बरे नियुक्त किहेस ह। इहइ कारण अहइ कि मई यहोवा क समन्वा उत्सव मनाउब अउर नाचब। 22मई अउर भी जिआदा सरमनाक हरकत कइ सकत हउँ! अउर आपन नज़र में अपमानित होइ जाउँ। होइ सकत ह तू मोका सम्मान न देइ। किन्तु जउन लइकियन क बारे में तू बात करति अहा उ पचे मोर सम्मान करति हीं।”

23साऊल क बिटिया क कबहुँ सन्तान न भइ। उ बिना सन्तान क मरी।

दाऊद एक ठु उपासना-घर बनावइ चाहत ह

7 राजा दाऊद क अपने नवे महल में रहइ क पाछे, यहोवा ओका चारिहुँ कइँती क दुस्मनन स ओका सान्ति दिहस। 2राजा दाऊद नातान नबी स कहेस, “लखा, मई देवदारू क काठे स बने महल में रहत हउँ। किन्तु परमेस्सर क पवितर सन्दूख अबहुँ भी तम्बू में रखा भवा ह।”

3नातान राजा दाऊद स कहेस, “जा, अउर जउन कछू तू करइ चाहत ह, करा। यहोवा तोहरे संग होइ।”

4किन्तु उहइ राति नातान क यहोवा क सँदेसा मिला। 5“जा, अउर मोरे सेवक दाऊद स कहा, ‘यहोवा इ कहत ह: तू उ मनई नाहीं अहा जउन मोरे रहइ बरे एक ठु घर बनावइ ह। 6मई उ समइ घरे में नाहीं रहत रहेउँ जल मई इस्त्राएलियन क मिस्त्र स बाहेर लाएउँ। नाहीं, मई उ समइ स चारिहुँ ओर तम्बू में जात्रा करत रहेउँ। मई तम्बू क उपयोग अपने घर क रूप में किहेउँ। 7जब कबहुँ मई इस्त्राएलियन क संग चलेस ह, मई कउनो भी सासक क जेका मई इस्त्राएल क लोगन पइ धियान रखइ बरे कहेस रहा कबहुँ आपन खातिर देवदारू क काठे क सुन्नर घर बनावइ बरे नाहीं कहउँ।’

8“तोहका मोर सेवक दाऊद स इ कहइ चाही, ‘सर्वसक्तीमान यहोवा इ कहत ह: मई तोहका चरागाह स लिआएउँ। मई तोहका तब लिआएउँ जब तू भेड़िन चरावत रह्या। मई तोहका अपने लोग इस्त्राएलियन क सासक चुनेउँ। 9मई तोहरे संग तू जहाँ कहुँ गया रह्या रहेउँ। मई तोहरे दुस्मनन क तोहरे बरे हराएउँ। मई तोहका पृथ्वी महान मनइयन में स एक बनाएउँ। 10-11अउर मई आपन लोग इस्त्राएलियन बरे एक ठउर चुनब। तब इस्त्राएलियन अउर कबहुँ एक जगह स दूसर जगह पइ नाहीं जाइ क होइ। बीते दिना में मई अपने इस्त्राएल क लोगन क मार्गदर्शन बरे निआवाधीसन क पठए रहेउँ किन्तु पापी लोगन मोर लोगन क परेसान किहन। अब वइसा नाहीं होइ। मई तोहका सबहिँ दुस्मनन स सान्ति देब। मई तोहसे इ भी कहत हउँ कि मई तोहरे परिवार क राजा लोगन क परिवार बनाउब।

12“जब तू मरब्या अउर अपने पुरखन क संग दफनावा जाब्या, तब मई तोहरे पूतन में स एक क राजा क रूप में चुनब अउर मई ओकर राज क सक्तीसाली बनाउब। 13मोरे नाउँ पइ उ एक ठु मन्दिर बनवाइ। मई ओकरे राज क हमेसा बरे सक्तीसाली बनाउब। 14मई ओकर बाप बनब अउर उ मोर पूत होइ। जब उ पाप करी, मई ओका दण्ड देइ बरे दूसर रास्ट्रन क उपयोग करब। मई ओकर प्रयोग दूसर लोगन क दण्ड देइ बरे चाबुक क रूप में करब। 15किन्तु मई ओहसे प्रेम करब बन्द नाहीं करब। मई ओह पइ हमेसा कृपालु अउ वफादार बना रहब। मई आपन प्रेम अउ अपनी कृपा साऊल स हटाइ लिहेउँ। मई साऊल क सिंहासन स हटाइ दिहेउँ, मई तोहका चुनेउँ। मई तोहरे परिवार क संग उहइ नाहीं करब। 16तोहरे राजा लोगन क

परिवार हमेसा चलत रही, तू ओह पइ निर्भर रहि सकत ह। तोहार राज तोहरे बरे लगातार हमेसा चलत रही। तोहार सिंहासन सदा ही बना रही।”

17नातान दाऊद क हर एक बात बनाएस। उ दाऊद स हर एक बात कहेस जउन उ दर्शन में सुनेस।

दाऊद परमेस्सर स पराथना करत ह

18तब राजा दाऊद भितरे गवा अउर यहोवा क समन्वा बैठ गवा। दाऊद कहेस, “यहोवा, मोर सुआमी, मई तोहरे बरे ऐतना महत्वपूर्ण काहे अहउँ? मोर परिवार महत्वपूर्ण काहे अहइ? तू मोका महत्वपूर्ण काहे बनाइ दिहा। 19मई तोहरे सेवक क अलावा अउर कछू नाहीं हउँ, अउर तू मोह पइ एतना जियादा कृपालु रह्या ह। किन्तु तू इ सबइ कृपा मोरे भविस्स क परिवार क खातिर करइ क कह्या ह। यहोवा मोर सुआमी, तू हमेसा लोगन बरे अइसी ही बातन नाहीं कहल्या, का तू कहत ह?

20“मई तोहसे अउर जियादा, का कहि सकत हउँ? यहोवा, मोर सुआमी, तू जानत ह कि मई केवल तोहार सेवक हउँ। 21तू इ सबइ महान कारज एह बरे किहा ह काहेकि तू कह्या ह कि तू एनका करब्या अउर काहेकि तू ओनका संग अइसा करइ चाहत ह, अउर तू मोका एन कारजन का जानउँ। 22हे यहोवा, मोर सुआमी, इहइ कारण अहइ कि तू महान अहा। तोहरे समान कउनो नाहीं अहइ। तोहरी इलावा कउनो देवता नाहीं अहइ! हम इ जानित ह काहेकि हम लोग खुद इ सब सुने अही। ओन कारजन क बारे में जउन तू किह्या।

23“तोहरे इस्त्राएल क लोगन क तरह पृथ्वी पइ कउनो रास्ट्र नाहीं अहइ। उ पचे बिसेस लोग अहइ। उ सबइ दास रहेन। किन्तु तू ओनका मिस्त्र स निकार्या अउर ओनका अजाद किहा। तू ओनका आपन लोग बनाया। तू इस्त्राएलियन बरे महान अउ अद्भुत कारज किह्या। हे यहोवा, तू अपने भुइँया में आपन लोगन क पहिले, दूसर रास्ट्रन अउर ओकर देवतन क निकारिके अचरज भरा कारज किहा। 24तू इस्त्राएलियन क सदा बरे अपने लोग बनाया ह, अउर यहोवा तू ओनकर परमेस्सर भवा।

25“यहोवा परमेस्सर, करा जउन तू मोर, तोहार सेवक अउर मोरे परिवार बरे करइ क प्रतिग्या किहेस ह। तू मोरे परिवार क सदा साही परिवार बनावइ क प्रतिग्या किहेस ह। 26तब तोर नाउँ सदा सम्मानित रही अउर लोग कहिहीं, ‘सर्वसक्तीमान यहोवा परमेस्सर इस्त्राएल पइ हुकूमत करत ह अउर तोहार सेवक दाऊद क परिवार तोहरे समन्वा स्थिर होइ देइ।’

27“सर्वसक्तीमान यहोवा, इस्त्राएल क परमेस्सर, तू मोका बहोत चिजियन स हटाइ दिहेस ह। तू कहेस, ‘मई तोहरे परिवार क महान बनाउब।’ इहइ कारण अहइ कि मई तोहार सेवक, तोहरे बरे इ पराथना करइ क निहचइ किहेउँ। 28यहोवा मोर सुआमी, तू परमेस्सर अहा अउर तोहार कथन सच होत हीं अउर तू इ अपने सेवक बरे, इ नीक चीज क बचन दिहा ह। 29हे यहोवा मोर सुआमी! कृपा कइके मोरे परिवार क असीस द्या। जेहसे उ लगातार तोहार

बना रहइ अउर तोहार सेवा करी। तू इ सब ही बचन दिहे रह्या। अपने आसीबादि स मोरे परिवार क हमेसा बरे असीस द्या।”

दाऊद अनेक जुद्ध जीतत ह

8 पाछे दाऊद पलिस्तियन क हराएस। उ ओनकर राजधानी पइ अधिकार कइ लिहस। 2दाऊद मोआब क लोगन क भी हराएस। उ ओनका भुईंथा पइ ओलरइ क मजबूर किहस। तब उ एक ठु लसुरी क ओनका नापइ बरे किहस। जब दुइ मनई नाप लिहेन तब दाऊद ओनका आदेस दिहस कि उ पचे मारे जइहीं। किन्तु हर एक तीसर मनई जिअत रहइ दीन्ह गवा। मोआब क लोग दाऊद क सेवक बन गएन। उ पचे ओका राजस्व दिहन।

3रहोब क पूत हददेजेर, सोबा क राजा रहा। दाऊद हददेजेर क उ समइ हराइ दिहस जब उ महानद क लगे क पहेँटा पइ अधिकार करइ क जतन किहस। 4दाऊद हददेजेर स सत्रह सौ घुइसवार फउजी लिहस अउर बीस हजार पैदल फउजी क कैद कइ लिहेस। दाऊद एक सौ क रथ-घोड़न क अलावा सबहिँ घोड़न क लँगड़ा कइ दिहस। उ एक सौ घोड़न क बचाइ लिहस।

5दमिस्क क अरामी लोग सोबा क राजा हददेजेर क मदद बरे आएन। किन्तु दाऊद ओन बाईस हजार अरामियन क हराइ दिहस। 6तब दाऊद दमिस्क क अराम में फउज क टुकड़ियन रखेस। अरामी दाऊद क सेवक बन गएन अउर राजस्व लिआएन। यहोवा दाऊद क, जहाँ कहुँ उ गवा जीत दिहस।

7दाऊद ओन सोने क ढाल क लिहस जउन हददेजेर क फउजियन क रहिन। दाऊद एन ढालन क लिहस अउर ओनका यरूसलेम लिआवा। 8दाऊद तौबे क बनी बहोत स चिजियन बेतह अउर बरौते स भी लिहस। (बेतह अउर बरौते दुइनँ नगर हददेजेर क रहेन।)

9हमात क राजा तोई सुनेस कि दाऊद हददेजेर क पूरी फउज क हराइ दिहस। 10तब तोई आपन पूत योराम क राजा दाऊद क लगे पठएस। योराम दाऊद क अभिवादन किहस अउर आसीबादि दिहस काहेकि दाऊद हददेजेर क खिलाफ जुद्ध किहस अउर ओका हराइ दिहेस रहा। (हददेजेर, तोई स, पहिले जुद्ध किहे रहा।) योराम चाँदी, सोना अउर तौबा क बनी चिजियन लिआएस। 11दाऊद एन चिजियन क लिहस अउर यहोवा क समर्पित कइ दिहस। उ ओका दूसर सोना-चाँदी क संग रखेस जेका उ हराए भए रास्ट्रन स लइके समर्पित किहे रहा। 12इ सबइ रास्ट्र अराम, मोआब, अमोन, पलिस्ती अउ अमालेक रहेन। दाऊद जउन कछू उ रहोब क पूत हददेजेर अउ सोबा क राजा क हराइ क पाछे ओहसे लिहेन यहोवा क समर्पित किहेन। 13दाऊद अट्टारह हजार अरामियन क नमक क घाटी में हराइ दिहस। उ उ समइ मसहूर रहा जब उ घर लउटा। 14दाऊद एदोम में फउज क टुकड़ियन रखेस। उ एन फउजियन क टुकड़ियन क एदोम क पूरे देस में रखेस। एदोम क सबहिँ लोग दाऊद क सेवक हो गएन। जहाँ कहुँ दाऊद गवा यहोवा ओका जीत दिआएस।

दाऊद क हुकूमत

15दाऊद सारे इस्त्राएल पइ हुकूमत किहस। ओकर निर्णय सबहिँ लोगन बरे नीक अउ स्वच्छ होत रहेन। 16सरूयाह क पूत योआब फउज क सेनापति रहा। अहीलूद क पूत इतिहासकार रहा। 17अहीतूब क पूत सादोक अउर एब्यातार क पूत अहीमेलेक दुइनँ याजक रहेन। सरयाह सचिव रहा। 18यहोयादा क पूत बनायाह करेतियन अउ पलेतियन क अधिकारी रहा, अउर दाऊद क पूत महत्वपूर्ण प्रमुख रहेन।

दाऊद साऊल क परिवार पइ कृपालु अहइ

9 दाऊद पूछेस, “का साऊल क परिवार में अब तलक कउनो बचा अहइ? मई योनातन क कारण उ मनई पइ दया करइ चाहत हउँ।”

2हुवाँ साऊल क परिवार स एक सेवक रहा जेकर नाउँ सीबा रहा। दाऊद क सेवकन सीबा क दाऊद क लगे बोलाएन। राजा दाऊद स पूछेस, “का तू सीबा अहा?”

सीबा कहेस, “हाँ मई सीबा, आप क सेवक हउँ।”

3राजा पूछेस, “का साऊल क परिवार में कउनो बचा ह? मई उ मनई पइ परमेस्सर क कृपा देखावइ चाहत हउँ।”

सीबा राजा दाऊद स कहेस, “योनातन क पूत अबहिँ तलक जिअत अहइ? उ दुइनँ गोड़वन स लँगड़ा अहइ।”

4राजा सीबा स कहेस, “इ पूत कहाँ अहइ?”

सीबा राजा स कहेस, “उ लोदबार क अम्मीएल क पूत माकीर क घसन में अहइ।”

5दाऊद न आपन सेवकन क लोदबार क अम्मीएल क पूत माकीर क घरे स योनातन क पूत क लिआवइ क कहेस। 6योनातन क पूत मपीबोसेत दाऊद क लगे आवा अउर आपन मूँड भुईंथा तलक निहराएस।

दाऊद कहेस, “मपीबोसेत।”

मपीबोसेत कहेस, “हाँ इ मई, आप क सेवक हउँ।”

7दाऊद मपीबोसेत स कहेस, “डेराअ जिन। मई तोहरे बरे दयालु रहब। मई इ तोहार बाप योनातन बरे करब। मई तोहार पितामह साऊल क सारी भुईंथा तोहका देब, अउर तू सदा मेरी मेज पइ खइया क खाइ सकब्या।”

8मपीबोसेत दाऊद क समन्वा फुन निहरा। मपीबोसेत कहेस, “आप अपने सेवक पइ बहोत कृपालु रहेन ह अउर मई एक ठु मरा कूकुर स जियादा नाहीं हउँ।”

9तब राजा दाऊद साऊल क सेवक सीबा क बोलाएस। दाऊद सीबा स कहेस, “मई साऊल अउर ओकरे परिवार क सबहिँ चिजियन जउन कछू ओकर अहइ, ओका तोहरे सुआमी क पोता मपीबोसेत क दइ दिहेउँ ह। 10तू मपीबोसेत बरे भुईंथा पइ खेती करब्या। तोहार पूत अउर सेवक मपीबोसेत बरे इ करिहीं। तू फसल कटब्या। तब तोहरे सुआमी क पोता मपीबोसेत क खाइ बरे अपार भोजन होइहीं। किन्तु मपीबोसेत तोहरे सुआमी क पोता मोरी मेज पइ खाइ क हमेसा अधिकारी होइ।”

सीबा क पन्द्रह पूत अउर बीस सेवक रहेन। 11सीबा राजा दाऊद स कहेस, “मई आप क सेवक हउँ। मई उ सब कछू करब, जउन मोर सुआमी, मोर राजा हुकूम देइहीं।”

एह बरे मपीबोसेत दाऊद क मेज पइ राजा क पूतन में स एक क तरह भोजन किहस। 12मपीबोसेत क एक नान्ह पूत मीका नाउँ क रहा। सीबा परिवार क सबहि लोग मपीबोसेत क सेवक होइ गएन। 13मपीबोसेत दुइनउँ गोउन स लँगड़ा रहा। मपीबोसेत यरूसलेम में रहत रहा। हर एक दिन मपीबोसेत राजा क मेज पइ भोजन करत रहा।

हानून दाऊद क मनइयन क लज्जित करत ह

10 पाछे, अम्मोनियन क राजा नाहास मरा। ओकरे पाछे ओकर पूत हानून राजा भवा। 2दाऊद कहेस, “नाहास मोरे बरे कृपालु राहा। एह बरे मईँ ओकरे पूत हानून क बरे कृपालु रहब।” एह बरे दाऊद हानून क ओकरे बाप क मउत पइ ढाँढस देइ बरे अपने अधिकारियन क पठएस। एह बरे दाऊद क सेवक अम्मोनियन क देस में चले गएन। 3किन्तु अम्मोनी प्रमुख लोग आपन सुआमी हानून स कहेस, “का आपु समुझत हीं कि दाऊद कछू मनइयन क आपक लगे ढाँढस देइ बरे पठइके आप क बाप क सम्मान देइ क जतन करत अहइ? नाहीं। दाऊद एन मनइयन क आप क नगर क बारे में गुप्त रूप स जानइ अउ समुझइ बरे पठएस ह। उ पचे आप क बिरूद्ध जुद्ध क योजना बनावत अहई।”

4एह बरे, हानून दाऊद क सेवकन क धरेस अउर ओकर आधी डाढ़ी कटवाइ दिहस। उ ओनके ओढ़नन क नीचे स आधा काटि दिहस, ओनका कमर क नीचे स नंगा कइ दिहस। तब उ ओनका पठइ दिहस।

5जब लोग दाऊद स कहेन, तउ उ आपन अधिकारियन स मिलइ बरे दूतन क पठएस। उ इ एह बरे किहस काहेकि इ सबइ लोग बहोत लजान रहेन। राजा दाऊद स कहेस, “जब तलक तोहार दाढ़ियन फुन स न बाढ़ई तब तलक यरीहो में ठहरा। तब यरूसलेम लउटि आवा।”

अम्मोनियन क खिलाफ जुद्ध

6जब अम्मोनियन जान लिहन कि उ पचे दाऊद क दुस्मन होइ गएन। उ पचे अरामी क बेत्रहोब अउ सोबा स भाड़े पइ बोलाएन। हुवाँ बीस हजार अरामी पैदल-फउजी आए रहेन। अम्मोनियन तोब स बारह हजार फउजियन अउ माका क राजा क एक हजार फउजियन क संग परिस्रमिक पइ बोलाएन।

7दाऊद इ बिसय में सुनेस। एह बरे उ योआब अउर सक्तीसाली मनइयन क सारी फउज पठएस। 8अम्मोनी फउज बाहेर निकरेन अउर जुद्ध बरे तइयार भएन। उ पचे नगर दुआर पइ खड़े भएन। योआब अउ रहोब स अरामियन फउज तथा तोब अउ माका क मनइयन नगर क बाहेर मैदान में इकट्ठा भएन।

9योआब लखेस कि अम्मोनी ओकरे खिलाफ समन्वा अउर पाछे दुइनउँ कइँती खड़े अहई। एह बरे, उ इस्राएलियन में स कछू उत्तिम जोधन क चुनेस। योआब एन उत्तिम फउजियन क अरामियन क खिलाफ लइइ बरे पंक्तिबध किहस। 10तब योआब बचा भवा फउजियन क अपने भाई अबीसै क अगुआई में किहस। तब अबसै ओनका अम्मोनी

क बिरूद्ध जुद्ध करइ बरे पंक्तिबध किहस। 11योआब अबीसै स कहेस, “जदि अरामी हमारी फउज स जियादा सक्तीसाली होई, तू मोर मदद करया। जदि अम्मोनी तोहार फउज स जियादा ताकतवर होई तउ मईँ आइके तोहार मदद करब। 12सक्तीसाली बना! हम पचन क अपने लोगन अउर अपने परमेस्सर क नगर क रच्छा बरे बहादुरी स जुद्ध करइ द्या। होइ सकत ह यहोवा उहइ करी जेका उ ठीक मानत ह।”

13तब योआब अउ ओकर फउजी अरामियन पइ हमला किहन। अरामी योआब अउ ओकरे फउजियन क समन्वा भाग खड़े भएन। 14अम्मोनियन लखेन कि अरामी भागत अहई, एह बरे उ पचे अबीसै क समन्वा स भाग खड़े भएन अउर अपने नगर में लउट गएन। इ तरह योआब अम्मोनियन क संग जुद्ध स लउटा अउर यरूसलेम वापस आवा।

अरामी फुन लइइ क निहचइ करत हीं

15अरामियन लखेन कि इस्राएलियन ओनका हराइ दिहन। एह बरे उ पचे एक तु बिसाल फउज क रूप में एकट्ठे भएन। 16हददेजेर परात नदी क दूसर कइँती रहइवाले अरामियन क लिआवइ बरे दूत पठएस। इ सबइ अरामी हेलाम पहोंचेन। सोबक, जउन हददेजेर क फउज क सेनापति रहा ओनकर अगुवाइ करत रहेन।

17दाऊद क एकर पता लगा। एह बरे उ सारे इस्राएलियन क एक संग बटोरेस। उ पचे यरदन नदी क पार किहन अउर उ पचे हेलाम पहोंचेन।

हुवाँ अरामियन हमला क तइयारी किहन अउर धावा बोल दिहन। 18किन्तु दाऊद अरामियन क हराइ दिहस अउर उ पचे इस्राएलियन क समन्वा भाग खड़े भएन। दाऊद बहोत स अरामियन क मार डाएस। सात सौ सारथी अउ चालीस हजार घुड़सवार दाऊद अरामी सेना क सेनापति सोबक क भी मार डाएस।

19जउन राजा हददेजेर क सेवा करत रहेन उ पचे लखेन कि इस्राएलियन ओनका हराइ दिहन। एह बरे उ पचे इस्राएलियन स सन्धि किहन अउर ओनकर सेवा करइ लागेन। अरामियन अम्मोनियन क अउर जियादा मदद देइ क साहस नाहीं राखेन।

दाऊद बतसेबा स मिलत ह

11 बसन्त में, जब राजा जुद्ध बरे बाहेर निकरत हीं दाऊद योआब, ओकर अधिकारियन अउर सबहि इस्राएलियन क अम्मोनियन क नस्ट करइ बरे पठएस। योआब क फउज राजधानी रब्बा पइ भी हमला किहस।

मुला दाऊद यरूसलेम में रूक। 2साँझ क उ अपने बिछउना स उठा। उ राजमहल क छत पइ चारिहुँ कइँती घूमा। जब दाऊद छत पइ रहा, उ एक तु मेहरारू क नहात लखेस। मेहरारू बहोत सुन्नर रही। 3एह बरे दाऊद अपने सेवकन क बोलाएस अउर ओनसे पूछेस कि उ मेहरारू कउन रही? एक सेवक जवाब दिहस, “उ मेहरारू एलीआम

क बिटिया बतसेबा अहइ। उ हिती ऊरिख्याह क मेहरारू अहइ।”

4दाऊद बतसेबा क अपने लगे बोलावइ बरे दूत पठएस। जब उ दाऊद क लगे आइ, तउ उ ओकरे संग सारीरक सम्बन्ध किहस। उ नहाएस* अउर उ अपने घरे चली गइ। 5किन्तु बतसेबा गर्भवती भइ। उ दाऊद स कहइ बरे सब्द पठाएस: “मई गर्भवती हउँ।”

दाऊद अपने पाप क छुपावइ चाहत ह

6दाऊद योआब क सँदिसा पठएस, “हिती ऊरिख्याह क मोरे लगे पठवा।”

एह बरे योआब ऊरिख्याह क दाऊद क लगे पठएस। 7ऊरिख्याह दाऊद क लगे आवा। दाऊद ऊरिख्याह स बात किहस। दाऊद ऊरिख्याह स पूछेस कि योआब कइसा अहइ, फउजी कइसे अहइ अउर जुद्ध कइसे चलत अहइ। 8तब दाऊद ऊरिख्याह स कहेस, “घरे जा अउर आराम करा।”

ऊरिख्याह राजा क महल तजेस। राजा ऊरिख्याह क एक ठु भेट भी पठएस। 9किन्तु ऊरिख्याह अपने घर नहीं गवा। ऊरिख्याह राजा क महल क दुआरे पइ सोएस। उ उहइ तरह सोएस जइसे राजा क दूसर सेवक सोएन। 10सेवकन दाऊद स कहेन, “ऊरिख्याह अपने घरे नहीं गवा।”

तब दाऊद ऊरिख्याह स कहेस, “तू लम्बी जात्रा स आया। तू घरे काहे नहीं गवा?”

11ऊरिख्याह दाऊद स कहेस, “पवित्त सन्दूर अउ इस्त्राएल क यहूदा फउजियन अउ सिबिर में ठहरत अहइ। मोर सुआमी योआब अउर मोर सुआमी दाऊद क अधिकारियन खुला मैदानन में सिबिर डाए पड़े अहइ। एह बरे इ नीक नहीं कि मई घर जाउँ, खाऊँ, पिअउँ अउर अपनी पत्नी क संग सोऊँ।” मई आपन अउर तोहार जिन्नगी क किरिया खात हउँ, कि मई अइसा नहीं करवा।”

12दाऊद ऊरिख्याह स कहेस, “आजु हिअइँ ठहरा। भियान मई तोहका जुद्ध में वापस पठउवा।”

ऊरिख्याह उ दिन यरूसलेम में ठहरा। उ अगले भिंसारे तलक रूका। 13तब दाऊद ओका आवइ अउ खाइ क बरे बोलाएस। ऊरिख्याह दाऊद क संग पिएस अउ खाएस। दाऊद ऊरिख्याह क नसा में कइ दिहस। किन्तु ऊरिख्याह, फुन भी घरे नहीं गवा। उ साँझ क ऊरिख्याह राजा क सेवकन क संग राजा क दुआर क बाहेर सोवा।

दाऊद ऊरिख्याह क मउत क योजना बनावत ह

14अगले भिंसारे, दाऊद योआब बरे एक ठु पत्र लिखेस। दाऊद ऊरिख्याह क उ पत्र लइ जाइ क दिहस। 15पत्र में दाऊद लिखेस: “ऊरिख्याह क कतार क आगे में रखा जहाँ पइ जुद्ध मुसकिल होत ह। तब ओका अकेले तजि द्या अउर ओका जुद्ध में मारा जाइ द्या।”

उ नहाएस साब्दिक, एकर अरथ अहइ कि “उ अभी ही आपन मासिक-धर्म स मुक्त भएस ह।” एकर अरथ अहइ कि उ आपन मासिक-धर्म क आखरी दिन में सुद्धीकरण बरे नहाएस जइसा रीति क अनुसार होत ह।

16जब योआब नगर क घेर लिहस तउ उ लखेस कि सब स जियादा बीर अम्मीनी जोधा कहाँ अहइ। उ ऊरिख्याह क हुवाँ जाइ बरे चुनेस। 17नगर (रब्बा) क आदमी योआब क खिलाफ लइइ क आएन। दाऊद क कछू फउजी मारे गएन। हिती ऊरिख्याह ओन लोगन में स एक रहा।

18तब योआब दाऊद क जुद्ध में जउन भवा, ओकर खबर पठएस। 19योआब दूत स कहेस: “राजा दाऊद क इ सबइ जउन जुद्ध में का भवा ह क पाछे। 20”होइ सकत ह कि राजा कोहाइ जाइ। होइ सकत ह कि राजा पूछइ, ‘योआब क फउज नगर क निचके लइइ काहे गइ? का इ योआब अहइ मालूम नहीं कि लोग नगर क देवारन स भी बाण चलाइ सकत हीं? 21का ओका याद नहीं कि यरुब्बेसेत क पूत अबीमेलेक क कउन मारेस? हुवाँ एक ठु मेहरारू नगर-दीवार पइ रही जउन अबीमेलेक क ऊपर चक्की क ऊपरी पाट लोकाएस। उ मेहरारू ओका तेबेस में मार डाएस। तू देवार क निचके काहे गया?’ (जदि राजा दाऊद इ पूछत ह) तउ तोहका जवाब देइ चाही: “आप क सेवक हिती ऊरिख्याह भी मर गवा।”

22दूत गवा अउर उ दाऊद क उ सब बताएस जउन ओका योआब कहइ क कहे रहा। 23दूत दाऊद स कहेस, “अम्मोन क लोग जिअत रहेन उ पचे बाकेर आगन अउ उ पचे खुले मैदान में हम पइ हमला किहेन। किन्तु हम लोग ओन्से नगर-दुआर पइ लड़ेन। 24नगर देवार क फउजियन अपने अधिकारियन पइ बाण चलाएन। आप क कछू अधिकारियन मारे गएन। आप क अधिकारी हिती ऊरिख्याह भी मारा गवा।”

25दाऊद दूत स कहेस, “तोहका योआब स इ कहब अहइ: ‘इ परिणाम स उदास न होइ। एक तरवार एक क वइसा ही मारत ह जइसा दूसर क। रब्बा नगर पइ खौफनाक हमला करा। तब तू उ नगर क नस्त करब्या।’ योआब क एन सब्दन स प्रोत्साहित करा।”

दाऊद बतसेबा स बियाह करत ह

26बतसेबा सुनेस कि ओकर भतार ऊरिख्याह मर गवा। तब उ अपने भतार बरे रोइ। 27जब उ सोक क समइ पूरा कइ लिहेस, तब दाऊद ओका अपने घरे में लिआवइ बरे सेवकन क पठएस। उ दाऊद क मेहरिया होइ गइ, अउर उ दाऊद बरे एक ठु पूत पइदा किहस। दाऊद जउन बुरा काम किहस यहोवा ओका पसन्द नहीं किहस।

नातान दाऊद स बात करत ह

12 यहोवा नातान क दाऊद क लगे पठएस। नातान दाऊद क लगे गवा। नातान कहेस, “एक नगर में दुइ मनई रहेन। एक ठु मनई धनी रहा। किन्तु दूसर गरीब रहा। 2धनी आदमी क लगे बहोत जियादा भेड़िन अउर गोरू रहेन। 3किन्तु गरीब मनई क लगे एक ठु नान्ह मादा मेमना क अलावा जेका उ बेसहे रहा, कछू नहीं रहा। गरीब मनई उ मेमना क खिआवत रहा। इ मेमना उ गरीब आदमी क भोजन में स खात रहा अउ ओकर पियाला में स पानी पिअत रहा। उ गरीब मनई क बाँह पइ सोवत ह। उ ओकरे

गदेलन क संग बढ़त रहा। मेमना उ मनई क बिटिया क नाई रहा।

4“तब एक ठु यात्री धनी मनई स मिलइ बरे हुवाँ आवा। धनी मनई यात्री क भोजन देइ चाहत रहा। किन्तु धनी मनई आपन भेड़ी या अपने गोरूअन में स कउनो क यात्री क खिआवइ बरे नाहीं लेइ चाहत रहा। उ धनी मनई उ गरीब स ओकर मेमना लइ लिहस। धनी मनई ओकरे मेमना क मार डाएस अउर अपने अतिथि बरे ओका पकाएस।”

5दाऊद धनी मनई क खिलाफ बहोत कोहाइ गवा। उ नातान स कहेस, “यहोवा क जिन्गी क किरिया, जउन मनई इ किहस उ जरूर मरी! 6ओका मेमना क चौगुनी कीमत चुकावइ पड़ी, काहेकि उ इ खौफनाक कारज किहस अउर ओहमाँ दया नाहीं रही।”

नातान दाऊद क ओकरे पाप क बारे में बतावत ह

7तब नातान दाऊद स कहेस, “तू उ धनी मनसेधू अहा। यहोवा इस्राएल क परमेस्सर इ कहत ह, ‘मई तोहका इस्राएल क राजा क रूप में चुनेउँ।’* मई तोहका साऊल स बचाएउँ। 8मई ओकर परिवार अउर ओकर मेहररूअन तोहका लेइ दिहेउँ, अउर मई तोहका इस्राएल अउ यहूदा क राजा बनाएउँ। जइसे उ पर्याप्त नाहीं होइ, मई तोहका जियादा स जियादा दिहेउँ। 9फुन तू यहोवा क आदेस क तिरस्कार काहे किहा? तू इ भयंकर काम काहे किहा जेका यहोवा बुरा समुझत ह? तू हिती ऊरिय्याह क तरवार स मारया अउर तू ओकर मेहरारू क अपनी मेहरारू बनावइ बरे लिहा। हाँ, तू ऊरिय्याह क अम्मोनियन क तरवार स मार डया। 10एह बरे, तरवार तोहरे परिवार कबहुँ नाहीं छोर्ब्या। तू ऊरिय्याह हिती क पत्नी क अपने पत्नी क रूप में लिहा। इ तरह तू मोर तिरस्कार किहा।’

11“इहइ अहइ जउन यहोवा कहत ह: ‘मई तोहरे खिलाफ आपत्तियन लिआवत हउँ। इ आपत्ति तोहार आपन परिवार स अइहीं। मई तोहार मेहररूअन क लइ लेब अउर ओका देब जउन तोहरे बहोत जियादा निच के अहइ। इ मनई तोहरे मेहररूअन क संग सोई अउर एका हर एक जानी। 12तू बतसेबा क संग गुप्त रूप में सोया। किन्तु मई तोहका इ तरह सजा देब जेहसे इस्राएल क सारे लोग एका लिख सकई।”

13तब दाऊद नातान स कहेस, “मई यहोवा क खिलाफ पाप किहेउँ ह।” नातान दाऊद स कहेस, “यहोवा तोहका छिमा कइ दिहेस ह, एक बरे तू इ पाप क कारण नाहीं मरब्या। 14किन्तु तू पचे इ पाप कइके यहोवा बरे बहोत असम्मान दिखाएस ह। इ पाप क कारण जउन तोहार पूत पइदा भवा ह, मरि जाइ।”

दाऊद अउ बतसेबा क बच्चा मर जात ह

15तब नातान अपने घर गवा अउर यहोवा दाऊद अउ ऊरिय्याह क मेहरारू स जउन पूत पइदा भवा रहा ओका

चुनेउँ साब्दिक, “अभिसिक्त,” एक मनई क मूइ पइ खास तेल डालना जे इ दिखावत ह कि उ मनई परमेस्सर दुआरा राजा, याजक या नबी चुना गवा ह।

बहोत बीमार कइ दिहस। 16दाऊद मरद बच्चा बरे परमेस्सर स पराथना किहस। दाऊद खाब-पिअब बंद कइ दिहस। उ अपने घर में गवा अउर ओहमाँ ठहरा। उ रात भइ भुईया पइ ओलरा रहा।

17दाऊद क परिवार क प्रमुख आएन अउर उ पचे ओका भुईया स उठावइ क जतन किहन। किन्तु दाऊद उठब इन्कार किहस। उ एन प्रमुखन क संग खइया क खाइ स भी इन्कार कइ दिहस।

18सतएँ दिन मरद बच्चा मर गवा। दाऊद क सेवक दाऊद स इ कहइ स डेरत रहेन कि मरद बच्चा मर गवा। उ पचे कहेन, “लखा, हम लोग दाऊद स उ समइ बात करइ क प्रयत्न कीन्ह जब मरद बच्चा जिअत रहा। किन्तु उ हम लोगन क बात सुनइ स इन्कार कइ दिहस। जदि हम दाऊद स कहब कि मरद बच्चा मर गवा तउ होइ सकत ह उ अपने क कछू नोस्कान कइ लेइ।”

19किन्तु दाऊद अपने सेवकन क कानाफूसी करत लखेस। तब उ समुझ लिहस कि मरद बच्चा मर गवा। एह बरे दाऊद अपने सेवकन स पूछेस, “का मरद बच्चा मर गवा?” सेवकन जवाब दिहन, “हाँ, उ मर गवा।”

20दाऊद फर्स स उठा। उ नहाएस। उ आपन ओढ़ना बदलेस अउर तइयार भवा। तब उ यहोवा क घरे में उपासना करइ गवा। तब उ घरे गवा अउर कछू खइया क माँगिस। ओकर सेवकन ओका कछू खाइके दिहन अउर उ खाएस।

21दाऊद क नौकरन ओहसे कहेन, “आप इ काहे करत अहइ? जब बच्चा जिअत रहा तब आप खाइ स इन्कार किहन। आप रोएन। किन्तु जब बच्चा मर गवा तब आप उठेन अउर आप भोजन किहेन।”

22दाऊद कहेस, “जब मरद बच्चा जिअत रहा, तब मई उपवास किहेउँ अउर मई रोएउँ। मई सोचेउँ, ‘कउन जानत ह, संभव अहइ यहोवा मोरे बरे दयालु होइ अउर मरद बच्चा क जिअत रहइ देइ।’ 23किन्तु अब बच्चा मर गवा। एह बरे अब मई काहे उपवास करउँ? का मई बच्चा क फुन जीवित कइ सकत हउँ? नाहीं! एक दिन मई ओकरे लगे जाब, किन्तु उ मोरे लगे लउटिके नाहीं आइ सकत ह।”

सुलेमान पइदा होत ह

24तब दाऊद आपन मेहरारू बतसेबा क सान्त्वना दिहस। उ ओकरे संग सोएस अउर ओकरे संग सारीरिक सम्बन्ध किहस। बतसेबा फुन गर्भवती भइ। ओकर दूसर पूत भवा। दाऊद उ लरिका क नाउँ सुलेमान रखेस। यहोवा सुलेमान स पिरेम रखत रहा। 25यहोवा नबी नातान क जरिये सँदिसा पठएस। नातान सुलेमान क नाउँ यदीद्याह रखेस। नातान इ यहोवा बरे किहस।

दाऊद रब्बा पइ अधिकार करत ह

26रब्बा नगर अम्मोनियन क राजधानी रही। योआब रब्बा क खिलाफ लड़ा। उ नगर क लइ लिहस। 27योआब दाऊद क लगे दूतन पठएस अउर कहेस, “मई रब्बा क खिलाफ जुद्ध किहेउँ ह। मई ओकरे किलाबन्ध सुरच्छित जलापूर्ति प भी कब्जा कइ लिएउँ ह। 28अब दूसर लोगन क संग

लिआवई अउर इ नगर (रब्बा) पइ आक्रमण करई। इ नगर पइ अधिकार कइ ल्या, एकरे पहिले कि मई एह पइ अधिकार करउँ। जदि इ नगर पइ मई अधिकार करत हउँ तउ नगर क नाउँ मोरे नाम पइ होइ।”

29तब दाऊद सबहिं लोगन क एकट्ठा किहेस अउर रब्बा क गवा। उ रब्बा क खिलाफ लड़ा अउर नगर पइ उ अधिकार कइ लिहस। 30दाऊद ओनके राजा क मूड़े स मुकुट उतार लिहस। मुकुट सोने क रहा अउर उ तउन मँ लगभग पचहत्तर पौंड रहा। इ मुकुट मँ बहुमूल्य रत्न रहेन। उ पचे मुकुट क दाऊद क मूड़े पइ रखेन। दाऊद नगर स बहोत सी कीमती चिजियन लइ गवा।

31दाऊद रब्बा नगर स भी लोगन क बाहेर लिआवा। दाऊद ओनका आसन, लोहा क गैतिन अउर कुल्हाड़ियन स काम करवाएस। उ ओनका ईटन स निर्माण कार्य कइ क बरे मजबूर किहस। दाऊद उहइ बेउहार सबहिं अम्मोनी नगरन क संग किहस। तब दाऊद अउर ओकर सारी फउज यरूसलेम लउटि गइ।

अम्मोन अउ तामार

13 दाऊद क अबसालोम नाउँ क एक पूत रहा। अबसालोम क बहिन क नाउँ तामार रहा। तामार बहोत सुन्नर रही। अम्मोन दाऊद क दूसर पूत रहा जउन तामार स पिरेम करत रहा। 2तामार कुँवारी रही। अम्मोन सोचेस कि उ ओकरे संग कभी आपन यौन इच्छा पूरा नाहीं कइ सकत्या। किन्तु अम्मोन ओका बहोत चाहत रहा। अम्मोन ओकरे बारे मँ बहोत सोचइ लगा उ बीमार होइ क एक बहना बनाएस।

3अम्मोन क एक ठु मीत सिमा क पूत योनादाब रहा। (सिमा दाऊद क भाई रहा।) योनादाब बहोत चालाक आदमी रहा। 4योनादाब अम्मोन स कहेस, “हर दिन तू दूबर दूबर स देखौई पड़त अहा। तू राजा क पूत अहा। तोहका खाइ बरे बहोत जियादा अहइ, तउ भी तू आपन वजन काहे खोवत जात अहा? मोका बतावा।” अम्मोन योनादाब स कहेस, “मई तामार स पिरेम करत हउँ। किन्तु उ मोर सौतेला भाई अबसालोम क बहिन अहइ।”

5योनादाब अम्मोन स कहेस, “बिछउना मँ ओलरा। अइसा बेउहार करा कि तू बीमार अहा। तब तोहार बाप तोहका लखइ अइहीं। ओनसे कह्या, ‘मेहरबानी कइके मोर बहिन तामार क आवइ द्या अउर मोका खाना देइ द्या। ओका मोरे समन्वा भोजन बनाइ देई। तब मई ओका लखब अउर ओकरे हाथे स खाब।।’”

6एह बरे अम्मोन बिछउना मँ ओलर गवा, अउर अइसा बेउहार किहस माना उ बीमार अहइ। राजा दाऊद अम्मोन क लखइ आवा। अम्मोन राजा दाऊद स कहेस, “कृपा कइके मोर बहिन तामार क हिआँ आवइ देई। मोरे लखत भए ओका मोरे बरे दुइ रोटी बनावइ देई। तब मई ओकरे हाथन स खाइ सकत हउँ।”

7दाऊद तामार क घरे सँदेसवाहकन क पठएस। सँदेसवाहकन तामार स कहेन, “अपने भाई अम्मोन क घरे जा अउर ओकरे बरे कछू भोजन बनावा।”

तामार अम्मोन बरे भोजन बनावत ह

8एह बरे तामार अपने भाई अम्मोन क घरे गइ। अम्मोन बिछउना मँ रही। तामार कछू गूँथा आटा लिहस अउर एका अपने हाथन स एक साथे दबाएस। उ अम्मोन क लखत भए कछू रोटियन बनाएस। 9जब तामार रोटियन क पकाउब पूरा किहेस तउ उ कढ़ाही मँ स रोटियन क अम्मोन बरे निकारेस। किन्तु अम्मोन खाइ स इन्कार किहस।

अम्मोन अपने सेवकन स कहेस, “तू सबहिं मनई चला जा” मोका अकेला रहइ द्या।” एह बरे सबहिं सेवक अम्मोन क कमरा स बाहेर चले गएन।

अम्मोन तामार क संग कुकर्म करत ह

10अम्मोन तमार स कहेस, “भोजन भीतरवाले कमरा मँ लइ चला। तब मई तोहरे हाथ स खाब।”

तामार अपने भाई क लगे सयन-कच्छ मँ गइ। उ ओन रोटियन क लिआइ जउन उ बनाए रही। 11उ अम्मोन क लगे गइ जेहसे उ ओकरे हाथन स खाइ सकइ। किन्तु अम्मोन तामार क धइ लिहस। उ ओहसे कहेस, “बहन, आवा अउर मोरे संग सोवा।”

12तामार अम्मोन स कहेस, “नाहीं, भाई। मोका मजबूर जिन करा। इ भयंकर काम इस्त्राएल मँ कबहुँ नाहीं कीन्ह जाइ चाही। इ लज्जाजनक काम जिन करा। 13मई इ लज्जा स कबहुँ मुक्त नाहीं होब्या अउर लोग इ सोचिही कि तू एक आम अपराधी अहा। कृपा कइके राजा स बात करा। उ तोहका मोर संग बियाह करइ देइ।”

14किन्तु अम्मोन तामार क एक न सुनेस। उ तामार स जियादा सक्तीसाली रहा। उ ओहका सारीरिक सम्बन्ध करइ बरे मजबूर किहस। 15ओकरे बाद अम्मोन तामार स घिना करइ लाग। अम्मोन ओकरे संग ओहसे भी जियादा घिना किहेस जेतना उ पहिले पिरेम करत रहा। अम्मोन तामार स कहेस, “उठा अउर चली जा।”

16तामार अम्मोन स कहेस, “नाही! मोका बाहेर जिन पठावा! मोका अब बाहेर पठाना उ स जियादा गलत होइ जउन तू पहिले मोर संग कइ लीन्ह ह।”

किन्तु अम्मोन तामार क एक न सुनेस। 17अम्मोन आपन जवान सेवक स कहेस, “इ लड़की क इ कमरा स अबहिं बाहेर निकारा। ओकरे जाइ पइ दरवाजे मँ ताला लगाइ द्या।”

18एह बरे अम्मोन क सेवक तामार क कमरे क बाहेर लइ गवा अउर ओकरे जाइ पइ ताला लगाइ दिहस।

तामार कइउ रंग क लम्बा लबादा पहिर रखे रहा। राजा क कुवौरी बिटियन अइसा ही लबादा पहिरत रहिन।

19तामार राख लिहस अउर अपने मूँडे पइ डाइ लिहस। उ अपने बहुरंगे लबादे क फार डाएस। उ आपन हाथ अपने मूँडे पइ रख लिहस अउर उ जोर स रोवइ के चलत लागेन।

20तामार क भाई अबसालोम तामार स कहेस, “का तोहार भाई अम्मोन तोहका मारेस? अम्मोन तोहार भाई अहइ। बहन, अब सान्त रहा। एहसे तू बहोत परेसान न हवा।” एह बरे तामार कछू नाहीं कहेस। उ अबसालोम क

घरे रहइ चली गइ अउर हुवाँ अकेली अउ उदास रहइ लाग।

21राजा दाऊद क एकर खबर मिली। उ बहोत कोहाइ गवा। 22अबसालोम अम्मोन स घिना करत रहा। अबसालोम अच्छा या बुरा अम्मोन स कछू नाहीं कहेस। उ अम्मोन स घिना करत रहा काहेकि अम्मोन ओकरी बहन क संग कुकर्म किहे रहा।

अबसालोम क बदला

23दुइ बरिस पाछे कछू मनई एप्रैम क लगे बाल्हासोर में अबसालोम क भेड़िन क ऊन काटइ आएन। अबसालोम राजा क सबहिं पूतन क आवइ अउ लखइ बरे न्यौतेस। 24अबसालोम राजा क लगे गवा अउर उ कहेस, “मोरे लगे कछू मनई मेरी भेड़िन क ऊँट काटइ आवत अहई। कृपा कइके आपन सेवकन क संग आवइँ अउर लखइँ।”

25राजा दाऊद अबसालोम स कहेस, “पूत नाहीं। हम सबहिं नाहीं जाब। एहसे तोहका परेसानी होइ।”

अबसालोम दाऊद स चलइ क पराथना किहस। दाऊद नाहीं गवा, किन्तु उ आसीबाद दिहस।

26अबसालोम कहेस, “जदि आप जाइ नाहीं चाहतेन तउ, कृपा कइके मोरे भाई अम्मोन क मोर संग जाइ देई।”

राजा दाऊद अबसालोम स पूछेस, “उ तोहरे संग काहे जाइ?”

27अबसालोम दाऊद स पराथना करत रहा। आखिर में दाऊद अम्मोन अउ सबहिं राजपूतन क अबसालोम क साथ जाइ दिहस।

अम्मोन क हत्या कीन्ह जाइ

28तब अबसालोम आपन सेवकन क आदेस दिहस। उ ओनसे कहेस, “अम्मोन पइ नजर राखा। जब उ नसे में धुत होइ तब मई तोहका आदेस देब अम्मोन क जान स मार डावा। सज़ा पावइ स डेराअ नाहीं। काहेकि तू सिरिफ मोर हुकूम क पालन करत रहा। अब सक्तीसाली अउ बीर बना।”

29अबसालोम क जुवक लोग अबसालोम क आदेस क मुताबिक अम्मोन क मार डाएन। किन्तु दाऊद क दूसर पूत बच निकरेन। हर एक पूत अपने एक खच्चरे पइ बइठा अउर भाग गवा।

दाऊद अम्मोन क पूत क खबर पावत ह

30जब राजा क पूत मारग में रहेन, दाऊद क खबर मिली। खबर इ रही, “अबसालोम राजा क सबहिं पूतन क मार डाएस ह। कउनो भी पूत बचा नाहीं ह।”

31राजा दाऊद आपन ओढ़ना फार डाएस अउर धरती पइ ओलर गवा। दाऊद क लगे खड़े ओकर सबहिं अधिकारियन भी आपन ओढ़नन फार डाएन।

32किन्तु योनादाब, दाऊद क भाई क पूत सिमा दाऊद स कहेस, “अइसा मत सोचा कि राजा क सबहिं जुवक पूत मार डावा गएन ह। नाहीं, इ सिरिफ अम्मोन अहइ जउन मारा गवा ह। जब स अम्मोन ओकर बहिन तामार क संग

कुकरम किहे रहा तबहिं स अबसालोम इ योजना बनाए रहा। 33मोर सुआमी राजा इ न सोचई कि सबहिं राजपूत मार गएन ह। सिरिफ अम्मोन ही मारा गवा।”

34अबसालोम पराइ गवा।

एक ठु रच्छक नगर क देवार पइ खड़ा रहा। उ पहाड़ी क दूसर कइँती स कई मनइयन क आवत लखेस। 35एह बरे योनादाब दाऊद स कहेस, “लखा, मई बिल्कुल सही रहेउँ। राजा क पूत आवत अहई।”

36जइसे ही बातन करइ खत्म किहेन राजपूतन आइ गएन। उ पचे जोर-जोर स रोवत रहेन। दाऊद अउर ओकर सबहिं अधिकारियन रोवइ लागेन। उ पचे सबहिं बहोत बिलाप करत रहेन। 37दाऊद आपन पूत बरे बहोत दिनन तलक रोएस।

अबसालोम गसूर क पराइ गवा

अबसालोम गसूर क राजा अम्मोहूर क पूत तल्मै क लगे पराइ गवा। 38अबसालोम क गसूर भाग जाइ क बाद, उ हुवाँ तीन बरिस तलक ठउरा। 39अम्मोन क मउत क पाछे, दाऊद धैर्य बांध लिहेस। लेकिन उ अबसालोम क खोइ दिहेस अउर ओका ओका देखइ क लालसा रहा।

योआब एका बुद्धिमती मेहरारू क दाऊद क लगे पठवत ह

14 सरूयाह क पूत योआब जानत रहा कि राजा दाऊद अबसालोम क बारे में सोचत अहइ अउर ओका देखइ क लालसा अही। 2एह बरे योआब तकोआ क एक दूत हुवाँ स एक ठु बुद्धिमती मेहरारू क लिआवइ क बरे पठएस। योआब इ बुद्धिमती मेहरारू स कहेस, “कृपा कइके बहोत जियादा सोकग्रस्त होइ क देखवा करा। सोक-वस्त्र पहिर ल्या, आपन चाम अउ बार में तेलन जिन लगावा। अइसी मेहरारू क जइसा बेउहार करा जउन कउनो मरे भए क बरे कइउ दिनन स रोवत ह। राजा क लगे जा अउर जउन मई कहत हउँ, इनही सब्दन क उपयोग करत भए ओनसे बातन करा।” तब योआब उ बुद्धिमती मेहरारू क का कहब अहइ, इ बताइ दिहस।

4तब ताकोआ क उ मेहरारू राजा स बातन किहस। उ फर्स पइ भहराइ पड़ी ओकर ललाट फर्स पइ जाइ टिका। उ निहुरी अउ बोली, “राजा, मोका मदद द्या।”

5राजा दाऊद ओहसे कहेस, “तोहार समस्या का अहइ?”

उ मेहरारू कहेस, “मई राँड़ हउँ। मोर भतार मर चुका अहइ। 6मोरे दुइ ठु पूत रहेन। इ सब दुइनउँ बाहेर मैदानन में लड़ेन। ओनका कउनो रोकइवाला न रहा। एक पूत दूसर पूत क मार डाएस। 7सारा परिवार अब मोरे खिलाफ अहइ। उ पचे मोहसे कहत रहेन, ‘उ पूत क लिआवा जउन अपने भाई क मार डाएस। तब हम ओका मार डाउब, काहेकि उ आपन भाई क मार डाएस।’ मोर पूत आगी क आखिरी चिनगारी क तरह अहइ, काहेकि उ ही सिरिफ उ ही एक पूत जिअत रही जउन ओकर पिता क सम्पत्ति क उत्तराधिकारी होइ। अगर उ ओका मार डाइ तउ उ आग जल उठब अउर खतम होइ जाब अउर उ सम्पत्ति दूसर क पास चली

जाइ अउर तब मोर मरे भतार क नाउँ इ धरती स मिट जाइ।”

8तब राजा मेहरारू स कहेस, “घरे जा। मई खुद तोहार मामला निपटाउब।”

9तकोआ क मेहरारू राजा स कहेस, “हे राजा मोर सुआमी, दोख मोह पइ आवइ द्या। किन्तु आप अउर आप क राज्ज निर्दोख अहइ।”

10राजा दाऊद कहेस, “उ मनई क लिआवा जउन तोहका बुरा-भला कहत ह। तब उ मनई तोहका फुन परेसान न करी।”

11मेहरारू कहेस, “कृपा कइके आपन यहोवा परमेस्सर क नाउँ पइ किरिया लेई कि आप एन लोगन क रोकहीं। तब उ पचे मोर पूत क हत्या क बदले में नाहीं मारिहीं।”

दाऊद कहेस, “यहोवा क जिन्नगी क किरिया, तोहरे पूत क कउनो मनई चोट नाहीं पहोंचाइ। तोहरे पूत क एक ठु बार भी धरती पई नाहीं गिरी।”

12उ मेहरारू स कहेस, “मोर सुआमी, राजा कृपा कइके मोका आप स कछू कहइ क मौका द्या”

राजा कहेस, “कहा।”

13तब उ मेहरारू कहेस, “परमेस्सर क लोगन क खिलाफ इ योजना काहे बनाया ह? हौं, जब आप इ कहत हीं आप इ परगट करत हीं कि आप अपराधी अहई। काहे? काहेकि आप अपने पूत क वापस नाहीं लाएन ह जेका आप अपने घर तजइ क मजबूर किहे रहेन। 14इ सही अहइ कि हम सबहिं कउनो दिन मरब। हम लोग उ पानी क तरह होब, जउन भुईया पइ फेंका गवा ह। कउनो भी मनई भुईया स उ पानी क एकट्ठा नाहीं कइ सकत। किन्तु परमेस्सर माफ करत ह। ओकरे लगे ओन लोगन बरे एक ठु योजना अहइ जउन अपने घर तजइ क मजबूत कीन्ह गएन ह, उ ओनका वापिस करइ चाहत ह। 15मोर प्रभु, राजा मई इ बात कहइ मई आप क लगे आइ। काहे? काहेकि लोग मोका ससाइ दिहन। मई अपने मने में कहेउँ कि, ‘मई राजा स बात करब। होइ सकत ह राजा मोर सुनई। 16राजा मोर सुनिहीं, अउर मोर रच्छा उ मनई स करिहीं जउन मोका अउर मोरे पूत दुइनउँ क मारइ चाहत हीं अउर ओन चिजियन क प्राप्त करइ स रोकइ चाहत हीं जेनका परमेस्सर हम क दिहेस ह।’ 17मई जानत हउँ कि मोर राजा, मोरे सुआमी क सब्द मोका सात्ति देईहीं काहेकि आप परमेस्सर क दूत क समान अहई। आप समुझ ह कि का अच्छा का बुरा अहइ। यहोवा आप क परमेस्सर, आप क संग अहइ।”

18राजा दाऊद उ मेहरारू क जवाब दिहस, “तोहका उ सवाल क उत्तर देइ चाही, जेका मई तोहसे पूछउँ मोसे कछू जिन छुपाया।”

उ मेहरारू कहेस, “हे मोर प्रभू, मोर राजा, कृपा कइके आपन सवाल पूछई।”

19राजा कहेस, “का योआब इ सबइ सारी बातन तोहसे कहइ क कहेस ह?”

उ मेहरारू जवाब दिहेस, “मोर पभू राजा, आप क जिन्नगी क किरिया, आप सही अहई। आप क सेवक

योआब इ सबइ बातन कहइ बरे कहेस। 20योआब इ एह बरे किहेस जेहसे आप तथ्यन क दूसर निगाह स लिखिहीं। मोर पभू आप परमेस्सर क दूत क नाई बुद्धिमान अहई। आप सब कछू जानत हीं जउन पृथ्वी पइ होत ह।”

अबसालोम यरूसलेम लउटत ह

21राजा योआब स कहेस, “लखा, मई इ करब। आप कृपा कइके जा अउ नउजुवक मनई अबसालोम क वापस लिआवा।”

22योआब भुईया आपन माथा निहुराएस। उ राजा दाऊद बरे आभार परगट किहस अउर कहेस, “आजु मई समुझत हउँ कि आप मोसे खुस अहइ, काहेकि आप उहइ किहन जउन मोर मोंग रही।”

23तब योआब उठा अउर गसूर गवा अउ अबसालोम क यरूसलेम लिआवा। 24किन्तु राजा दाऊद कहेस, “अबसालोम अपने घरे क लउट सकत ह।” उ मोहसे भेंटइ नाहीं आइ सकत। एह बरे अबसालोम अपने घरे क लउट गवा। अबसालोम राजा स भेंटइ नाहीं जाइ सका।

25अबसालोम क जियादा स जियादा तारीफ ओकरे सुन्नर रूप क बरे रही। इस्त्राएल में कउनो मनई एतना सुन्नर नाहीं रहा जेतना अबसालोम। अबसालोम क मूँडे स गोड़े तलक कउनो दोख नाहीं रहा। 26हर एक बरिस क आखिर में अबसालोम अपने मूँडे क बार काटत रहा अउर ओका तउलत रहा। बारन क तौल लगभग पाँच पौण्ड रही। 27अबसालोम क तीन पूत रहेन अउ एक ठु बिटिया। उ बिटिया क नाउँ तामार रहा। तामार एक ठु सुन्नर मेहरारू रही।

अबसालोम योआब क अपने स भेंटइ क बरे मजबूर करत ह

28अबसालोम पूरे दुइ बरिस तलक राजा दाऊद स भेंटइ क इजाजत बिना यरूसलेम में रहा। 29अबसालोम योआब क लगे इ कहइ बरे पठाएस कि मोर तरफ स राजा क लगे जाइ। किन्तु योआब अबसालोम स मिलइ नाहीं गवा। अबसालोम दूसरी दाई सँदेसा पठाएस। किन्तु योआब फुन भी आउब इन्कार किहस।

30तब अबसालोम अपने सेवकन स कहेस, “लखा, योआब क खेत मोरे खेते स लगा बाटइ। ओकरे खेते में जौ क फसल अहइ। जा अउर जौ क बार द्या।”

एह बरे अबसालोम क सेवक गएन अउर योआब क खेते में आगी लगाउब सुरू किहेन। 31योआब उठा अउर अबसालोम क घरे गवा। योआब अबसालोम स कहेस, “तोहार सेवकन मोर खेत काहे बारेन।”

32अबसालोम योआब स कहेस, “मई तोहका सँदेसा पठाँउ। मई तोहसे हिआँ आवइ क कहेउँ। मई तोहका राजा क लगे पठवइ चाहत रहेउँ। मई ओहसे पूछइ चाहत रहेउँ कि उ गसूर स मोका घरे काहे बोलाएस। मई ओहसे मिल नाहीं सकत, एह बरे गसूर में रहब कहुँ जियादा नीक रहा। अब मोका राजा स भेंटइ द्या। जदि मई पाप किहेउँ ह तउ उ मोका मार सकत ह।”

अबसालोम दाऊद स मिलत ह

33तब योआब राजा क लगे आवा अउ अबसालोम क कहा भवा सुनाया। राजा अबसालोम क बोलाएस। तब अबसालोम राजा क लगे आवा। अबसालोम राजा क समन्वा भुइँया पइ माथा टेकिके प्रणाम किहेस, अउर राजा अबसालोम क चुम्बन किहस।

अबसालोम बहोत स मीत बनावत ह

15 एकरे पाछे अबसालोम एक रथ अउ घोड़न अपने बरे लिहस। जब उ रथ चलावत रहा तउ अपने सामने पचास ठु दउड़त मनइयन क रखत रहा। 2अबसालोम जल्दी उठत अउर दुआरे क निचके खड़ा होत। जदि कउनो मनई अइसा होत जेकर कउनो समस्या होत अउर निआउ बरे राजा दाऊद क लगे आवत होत, अबसालोम ओहसे पूछत, “तू कउनो नगर क अहा?” उ मनई जवाब देत, “मई अमुक हउँ अउ इस्राएल क अमुक परिवार समूह क हूँ।” 3तब अबसालोम ओन मनइयन स कहा करत, “लखा, जउन तू कहत रहया उ सुभ अउर उचित अहइ किन्तु राजा दाऊद तोहर एक ठु नहीं सुनी।”

4अबसालोम इ भी कहत, “अह, मई चाहत कि कउनो मोका इ भूइँयाँ क निआवाधीस बनावत। तब मई ओन मनइयन में स हर एक क मदद कइ सकत जउन निआव बरे समस्या लइके अउतेन।”

5जब कउनो मनई अबसालोम क लगे आवत अउर ओकरे समन्वा प्रणाम कइ क निहुरत, तउ अबसालोम हाथ बढ़ाइके ओका पकरलेत अउ ओकर चुम्बन करत जइसा उ ओकर नजिक क मीत अहइ। 6अबसालोम अइसा ओन सबहिँ इस्राएलियन क संग करत जउन राजा दाऊद क लगे निआव बरे अउतेन। इ तरह अबसालोम इस्राएल क सबहिँ लोगन क हिरदइ जीत लिहस।

अबसालोम क जरिये दाऊद क राज्ज क लेइ क योजना

7चार बरिस पाछे अबसालोम राजा दाऊद स कहेस, “कृपा कइके मोका अपनी खास प्रतिग्या क पूरी कइ जाइ द्या जेका मई हेब्रोन में यहोवा क समन्वा किहे रहेउँ। 8मई इ प्रतिग्या तब किहे रहेउँ जब मई गसूर अराम में रहत रहेउँ। मई कहे रहेउँ, ‘जदि यहोवा मोका यरूसलेम लउटाई तउ मई यहोवा क सेवा करब।’”

9राजा दाऊद कहेस, “सान्तिपूर्वक जा।”

अबसालोम हेब्रोन गवा। 10किन्तु अबसालोम इस्राएल क सबहिँ परिवार समूहन में जासूस पठएस। एन जासूनन लोगन स कहेन, “जब तू पचे तुरही क आवाज सुना, तउ कहा कि ‘अबसालोम हेब्रोन में राजा होइ गवा।’”

11अबसालोम दुइ सौ मनइयन क अपने संग चलइ बरे न्यौतेस। उ सबइ मनई ओकरे संग यरूसलेम स बाहेर गएन। किन्तु उ पचे इ नहीं जानत रहेन कि ओकर योजना का अहइ। 12अहीतोपेल दाऊद क सलाहकारन में स एक रहा। अहीतोपेल दाऊद क सलाहकारन में स एक रहा। अहीतोपेल गीलो नगर क निवासी रहा। जब अबसालोम बलि-भेंटन क चढ़ावत रहा, उ अहीतोपेल क गीलो नगर

स बुलाएस। अबसालोम क योजना ठीक-ठाक चलत रही अउर जियादा स जियादा लोग ओकर समर्थन कइ लागेन।

दाऊद क अबसालोम क योजना क सूचना

13एक ठु मनई दाऊद क सूचना देइ आवा। उ मनई कहेस, “इस्राएल क लोग अबसालोम क अनुसरण करब सुरू करत अहई।”

14तब दाऊद यरूसलेम में रहइवाले आपन सबहिँ अधिकारियन स कहेस, “हम पचन्क जरूर पराइ चाही, अन्यथा हम में स कउनो भी अबसालोम स बच के नाही निकरि सकब्या। अबसालोम क जरिये धरें जाइ क पहिले हम लोग हाली करी। नाही तउ उ हम सबहिँ क नस्ट कइ देइ अउर उ यरूसलेम क लोगन क मार डाइ।”

15राजा क सेवकन राजा स कहेन, “जउन कछू भी आप कहिहीं, हम लोग करब।”

दाऊद अउ ओकर आदमी बच निकरत हीं

16राजा दाऊद अपने घर क सबहिँ लोगन क संग बाहेर निकर गवा। राजा घर क देखभाल क बरे अपनी दस उप-पत्नियन क हुवाँ तजेस। 17राजा अपने सबहिँ लोगन क साथ लइके जउन ओका अनुसरण किहा बाहेर निकरा। उ पचे नगर क आखिरी मकाने पइ रुकेन। 18ओकर सबहिँ सेवक राजा क पास स गुजरेन, अउर सबहिँ करेती, सस्बहिँ पलेनी अउ गती (गत स छः सौ मनई) राजा क लगे स गुजरेन।

19राजा गत क इतै स कहेस, “तू लोग भी हमरे संग काहे जात अहा? लउट जा अउर नवा राजा (अबसालोम) क संग रहा। तू बिदेसी अहा। इ तू लोगन क ग्रह-भूइँया नाही अहइ। 20ठीक कछू देरी तू हमरे संग जुड्या। का मोका अलग-अलग जगहन पइ तोहका हमारे संग भटकई चाही? नाही! लउटा अउर आपन भाइयन क अपने संग ल्या। मोर पराथना अहइ कि तोहरे बरे दाया अउ वफ़दारी देखवा जाइ।”

21किन्तु इतै राजा क जवाब दिहेस, “यहोवा क जिन्नगी क किरिया, जब तलक आप जिअत अहई मई आप क संग रहब। मोर सुआमी, राजा मई तोहार संग रहब जहाँ कहुँ भी जाब्या चाहे इ जीवन अही या मरण।” 22दाऊद इतै स कहेस, “आवा, हम लोग किद्रोन नाला क पार करी।”

एह बरे गत क इतै अउ ओकर सबहिँ लोग अपने बच्चन सहित किद्रोन नाले क पार गएन। 23सबहिँ लोग जोर स रोवत रहेन। राजा दाऊद किद्रोन नाले क पार किहस। तब सबहिँ लोग रेगिस्ताने कइँती बढेन। 24सादोक अउ ओकर संग क लवीबंसी परमेस्सर क करार क सन्दूख क लइके चलत रहेन। उ पचे परमेस्सर क पवित्तर सन्दूख क खाले रखेन। एब्यातार तब तलक पराथना किहेस* कि जब तलक सबहिँ लोग यरूसलेम स बाहेर नाही निकर गएन।

पराथना किहेस साब्दिक, “चला गवा” एकर अरथ होइ सकत ह, “धूप जराइ” “भेंट चढ़ाई” या एकर साधारण अरथ अहइ कि एब्यातार एक तरफ पत्तर सन्दूक क साथ तब तलक खड़ा भवा रहेस जब तलक सबइ लोग गुजर न गइ।

25राजा दाऊद सादोक स कहेस, “परमेस्सर क पवितर सन्दूक क यरूसलेम लउटाइ लइ जा। जदि यहोवा मोह पइ दयालु अहइ, तउ उ मोका वापस लउटाइ अउर यहोवा मोका यरूसलेम अउर आपन मन्दिर क देखइ देइ। 26किन्तु जदि यहोवा कहत ह कि मोहे पइ खुस नाहीं अहइ तउ उ मोरे खिलाफ, जउन कछू भी चाहत ह, कइ सकत ह।”

27राजा याजक सादोक स कहेस, “तू एक ठु दूस्ट अहा सात्तिपूर्वक नगर क जा। आपन पूत अहीमास अउ एब्यातार क पूत योनातन स अपने संग ल्या। 28मई ओन ठउरन क निचके प्रतीच्छा करब जहाँ स लोग नदी पार होइ रेगिस्तान में जात हीं। मई हुवाँ तब तलक प्रतीच्छा करब जब तलक तोहसे कउनो सूचना नाहीं मिलत।”

29एह बरे सादोक अउ एब्यातार परमेस्सर क पवितर सन्दूक वापस यरूसलेम लइ गएन अउर हुवाँ ठहरेन।

अहीतोपेल क खिलाफ दाऊद क पराथना

30दाऊद जइतून क पर्वत पइ चढ़ा। उ रोवत रहा। उ आपन मूँड ढाँपि लिहस अउर उ बिना जूते क गवा। दाऊद क संग क सबहिं लोगन आपन मूँड ढाँपि लिहेन। उ पचे दाऊद क संग रोवत भए गएन।

31एक ठु मनई दाऊद स कहेस, “अहीतोपेल लोगन में स एक अहइ जउन अबसालोम क संग योजना बनाएस।” तब दाऊद पराथना कियेस, “हे यहोवा, मई तोहसे पराथना करत हउँ कि तू अहीतोपेल क सलाह क नाकामयाब कइ द्या।” 32दाऊद पर्वत क चोटी पइ आवा। इहइ उ ठउर रहा जहाँ उ अक्सर परमेस्सर स पराथना करत रहा। उ समइ ऐकी हूसै ओकरे लगे आवा। हूसै क अंगरखा फटा रहा अउर ओकरे झँड़ि पइ धूरी रही।

33दाऊद हूसै स कहेस, “जदि तू मोरे संग चलत अहा तउ तू देख-रेख करइवाले अलावा मनई होब्या। 34किन्तु जदि तू यरूसलेम क लउट जात ह तउ तू अहीतोपेल क सलाह क ब्यर्थ कइ सकत ह। अबसालोम स कहा, ‘महाराज, मई आप क सेवक हउँ। मई आप क बाप क सेवा कियेउँ, किन्तु अब मई आप क सेवा करब।’

35याजक सादोक अउ एब्यातार तोहरे संग होइहीं। तोहका उ सबइ बातन ओनसे कहइ चाही जेनका तू राजमहल में सुना। 36सादोक क पूत अहीमास अउ एब्यातार क पूत योनातन ओनके संग होइहीं। तू ओनका, हर बात जउन सुना, मोहसे कहइ बरे पठउब्या।”

37तब दाऊद क मीत हूसै नगर में गवा, अउर अबसालोम यरूसलेम आवा।

सीबा दाऊद स भेंट ह

16 दाऊद जैतून पर्वत क चोटी पइ तनिक दूर चला। हुवाँ मपीबोसेत क सेवक सीबा, दाऊद स मिला। सीबा क लगे काठी क संग दुइ ठु खच्चर रहेन। खच्चरन पइ दुइ सौ रोटियन, सौ किसमिस क गुच्छन, सौ गर्मी क फल अउ दाखमधु स भरी एक ठु मसक रही। 2राजा दाऊद सीबा स कहेस, “इ सबइ चिजियन काहे बरे अहइ?”

सीबा जवाब दिहिस, “गदहन राजा क परिवार क सवारी बरे अहइ। रोटी अउ गर्मी क फल सेवकन क खाइ बरे अहइ अउर जदि कउनो मनई रेगिस्ताने में कमजोरी महसूस करइ, उ दाखमधु पी सकी।”

3राजा पूछेस, “मपीबोसेत कहाँ अहइ?”

सीबा राजा क जवाब दिहिस, “मपीबोसेत यरूसलेम में ठहरा अहइ काहेकि उ सोचत ह, ‘आजु इस्राएली मोरे पितामह क राज मोका वापस दइ देइहीं।’”

4तब राजा सीबा स कहेस, “ओकरे कारण, जउन कछू मपीबोसेत क अहइ ओका अब मई तोहका देत हउँ।”

सीबा कहेस, “मई आप क प्रणाम करत हउँ। मई आसा करत हउँ कि मई आप क सदा खुस कइ सकउँ।”

सिमी दाऊद क साप देत ह

5दाऊद बहूरीम पहुँचा। साउल क परिवारे क एक ठु मनई बहूरीम स बाहरे निकरा। इ मनई क नाउँ सिमी रहा जउन गेरा क पूत रहा। सिमी दाऊद क बुरा कहत भवा बाहरे आवा अउर उ बुरी-बुरी बातन बार-बार करत रहा।

6सिमी दाऊद अउ ओकरे सेवकन पइ पाथर लोकाउब सुरू कियेस। किन्तु लोग अउर फउजी दाऊद क चारिहुँ कइँती बटुर गएन उ पचे ओकरे चारिहुँ ओर रहेन। 7सिमी दाऊद क सरापेस। उ कहेस, “निकरि जा, निकरि जा! तू हत्यारा अहा, तू दुस्त अहा! 8यहोवा तोहका दण्ड देत अहइ। काहे? काहेकि तू साऊल क परिवारे क मनइयन क मार डया। तू साऊल क जगह एक राजा क रूप में चोराया। किन्तु अब, यहोवा राज्ज तोहरे पूत अबसालोम क दिहस ह। अब उ पचे ही बुरी घटनन तोहरे बरे घटित होत अहइ। काहे? काहेकि तू हत्यारा अहा।”

9सरूयाह क पूत अबीसै राजा स कहेस, “मोर पभूँ राजा! इ मरा कूकुर आप क सरापत काहे अहइ? मोका आगे जाइ द्या अउ सिमी क मूँड काट लेइ द्या।”

10किन्तु राजा जवाब दिहिस, “सरूयाह क पूतो! तू इ चिजियन क चिन्ता काहे करत ह जउन मोर संग होत? निहचइ ही सिमी मोका सरापत अहइ। अगर यहोवा ओका कहेस कि उ मोका सरापि, अउर कउन अहइ जउन यहोवा स इ बातन बरे प्रस्न पूछ सकत्या?”

11दाऊद अबीसै अउर आपन सबहिं सेवकन स इ भी कहेस, “लखा मोर आपन पूत ही (अबसालोम) मोका मारइ क जतन करत अहइ। इ मनई (सिमी) जउन बिन्यामीन परिवार समूह क अहइ, मोका मार डायइ क जियादा अधिकार रखत ह। ओका अकेला तजा। ओका मोका बुरा भला कहइ द्या। यहोवा ओका अइसा करइ क कहेस ह। 12इ होइ सकत ह कि ओन बुराइयन क जउन मोरे संग होत अहइ, यहोवा लखइ। तब होइ सकत ह कि यहोवा मोका हर बुरा सब्द क बदले में कछू अच्छा देइ जउन कि सिमी आजु मोहसे कहेस ह।”

13एह बरे दाऊद अउ ओकर मनइयन अपने राहे पइ खाले सरक स उतर आवइँ। किन्तु सिमी दाऊद क पाछे लगा रहा। सिमी सरक क दूसर कइँती पहाड़ी क बगल होइ के चलइ लाग। सिमी अपने राहे पइ दाऊद क

बुरा-भला कहत रहा। सिमी दाऊद पइ पाथर अउ धूरि भी लोकाएस।

14राजा दाऊद अउर ओकर सबहि लोग यरदन नदी पइ पहुँचेन। राजा अउ ओकर लोग थक गए रहेन। एह बरे उ पचे हुवाँ आराम किहन अउर आपन क ताज़ा किहेन।

15अबसालोम, अहीतोपेल अउ इस्त्राएल क सबहि लोग यरूसलेम आएन। 16दाऊद क एरेकी मीत हूसै अबसालोम क लगे आवा। हूसै अबसालोम स कहेस, “राजा दीर्घायु होई। राजा दीर्घायु होई।”

17अबसालोम पूछेस, “तू आपन मीत दाऊद क बिस्सास पात्र काहे नाहीं अहा? तू आपन मीत क संग यरूसलेम क काहे नाहीं तज्या?”

18हूसै कहेन, “मई उ मनई क अहउँ, जेका यहोवा चुनत ह। एन लोग अउ इस्त्राएल क लोग आप क चुनेन। मई आपक संग रहब। 19बीते समइ में मई आप क बाप क सेवा किहेउँ। एह बरे, अब मई दाऊद क पूत क सेवा करब। मई आप क सेवा करब।”

अबसालोम अहीतोपेल स सलाह लेत ह

20अबसालोम अहीतोपेल स कहेस, “कृपा कइके मोका बतावा कि का करइ चाही।”

21हीतोपेल अबसालोम स कहेस, “तोहार बाप आपन कछू उप-पत्नियन क घर क देख-भाल क बरे तजेस ह। जा अउर ओनके संग सारीरिक सम्बंध करा। तब सबहि इस्त्राएली इ जनिहीं कि तोहार बाप तोहसे घिना करत ह। अउर तोहार सबहि लोग तोहका जियादा समर्थन देइ बरे उत्साहित होइहीं।”

22तब ओन लोग अबसालोम बरे महले क छते पइ एक तम्बू डाएन अउ अबसालोम अपने बाप क रखैलन क संग सारीरिक सम्बन्ध किहस। सबहि इस्त्राएलियन एका लखेन। 23उ समइ, दाऊद अउ अबसालोम अहीतोपेल क सलाह क बहोत महत्वपूर्ण समुझेस। इ ओतनी ही महत्वपूर्ण रही जेतनी मनई बरे परमेस्वर क बात।

अहीतोपेल दाऊद क बारे में सलाह देत ह

17 अहीतोपेल अबसालोम स इ भी कहेस, “मोका अब बारह हजार फउजी चुनइ द्या। तब मई आजु क रात दाऊद क पाछा करब। 2मई ओका तब धरब जब उ थका अउ कमजोर होइ। मई ओका ससाउब अउ ओकर सबहि मनई ओका तजिके परइहीं। किन्तु मई सिरिफ राजा दाऊद क मारब। 3तब मई सबहि लोगन क तोहरे लगे वापस लिआउब। जदि दाऊद मरि गवा, तउ सबइ लोगन क सान्ति प्राप्त होइ।”

4इ योजना अबसालोम अउ इस्त्राएल क सबहि प्रमुखन क पसन्द आइ। 5किन्तु अबसालोम कहेस, “एरेकी हूसै क अब बोलावा। मई ओहसे भी सुनइ चाहत अहउँ कि उ का कहत ह।”

हूसै अहीतोपेल क सलाह नस्ट करत ह

6हूसै अबसालोम क लगे आवा। अबसालोम हूसै स

कहेस, “अहीतोपेल इ योजना बताएस ह। का हम लोग यह पइ अमल करी? जदि नाहीं तउ हमका, अपनी बतावा।”

7हूसै अबसालोम स कहेस, “इ समइ अहीतोपेल क सलाह ठीक नाहीं अहइ।” 8उ आगे कहेस, “तू जानत ह कि तोहार बाप अउ ओकर आदमी ताकतवार अहइ। उ पचे उ रीछनी क तरह खूँखार अहइ जेकत बच्चन छोर लीन्ह गवा होइ। तोहार बाप कुसल जोधा अहइ। उ सारी रात लोगन क संग नाहीं ठहरी। 9सायद उ पहिले स ही कउनो गुफा या दूसर ठउरे पइ छुपा अहइ। जदि तोहार बाप तोहरे मनइयन पइ पहिले हमला करत ह, तउ लोग एकर खबर पइहीं, अउर उ पचे सोचिहीं, ‘अबसालोम क समर्थक हारत अहइ।’ 10तब उ पचे लोग भी जउन सेर क तरह वीर अहइ, ससाइ जइहीं। काहे? काहेकि सबहि इस्त्राएली जानत हीं कि तोहार बाप ताकतवर जोधा अहइ अउ ओकर मनई वीर अहइ।”

11“मोर सुझाव इ अहइ: तोहका दान स लइके बेसेबा तलक सबहि इस्त्राएलियन क बटोरइ चाही। तब बड़ी तादाद में लोग समुद्धर क रेती क कणन क नाई होइहीं। तब तोहका खुद ओनकर जुद्ध में अगुवाइ करइ चाही। 12हम पचे दाऊद क उ ठउरे स जहाँ उ लुकान अहइ, धइ लेब। हम पचे दाऊद पइ बहोत सारा फउज स हमला करब, हम लोग ओस क बहोत सारा बूँद क नाई होब्या जउन कि धरती पइ पड़त अहा। हम लोग दाऊद अउर ओकर सबहि मनइयन क मार डाउब। कउनो मनई क जिअत नाहीं बक्सा जाइ। 13जदि दाऊद कउनो नगर में परात ह, तउ सबहि इस्त्राएली उ नगर में रस्सियन लिअइहीं अउर हम लोग उ नगर क देवारन क तोड़ब अउर एका घाटी में बदल देब। उ नगर में एक पाथर भी नाहीं बचब्या।”

14अबसालोम अउ सबइ इस्त्राएलियन कहेन, “एरेकी हूसै क सलाह अहीतोपेल क सलाह स बेहतर अहइ।” उ पचे अइसा कहेन काहेकि इ यहोवा क योजना रही। यहोवा अहीतोपेल क सलाह क ब्यर्थ करइ क नीक योजना बनाए रहा। इ तरह यहोवा अबसालोम क सजा दइ सकत रहा।

हूसै दाऊद क लगे चितउनी पठवत ह

15हूसै उ सबइ बातन याजकन, सदोक अउ एब्यातार स कहेस। हूसै उ योजना क बारे में ओनका बताएस जेका अहीतोपेल अबसालोम अउ इस्त्राएल क प्रमुखन क सुझाए रहा। हूसै सदोक अउ एब्यातार क उ योजना भी बताएस जेका उ सुझाए रहा। हूसै कहेस, 16“हाली। दाऊद क खबर पठवा। ओहसे कहा कि आज क रात उ ओन ठउरन पइ न रहइ जहाँ स लोग रेगिस्तान क पार करत हीं। अपितु यरदन नदी क तुरत पार कइ ल्या। जदि उ नदी क पार कइ लेत ह तउ राजा अउ ओकर लोग नाहीं धरा जइहीं।”

17याजकन क पूत योनातन अउ अहीमास, एनरोगेल पइ प्रतीच्छा करत रहेन। उ पचे नगर में जात भए देखोई नाहीं पड़इ चाहत रहेन। एह बरे एक तु गुलाम लइकी ओनके लगे आइ। उ ओनका सँदसा दिहस। तब योनातन अउ अहीमास गएन अउर उ पचे इ सँदसा राजा दाऊद क दिहेन।

18 किन्तु एक लरिका योनातन अउ अहीमास क लखेस। लरिका अबसालोम स कहइ बरे दउड़ा। योनातन अउ अहीमास तेजी स पराइ निकरेन। उ पचे बहारीम में एक तु मनई क घरे पहुँचेन। उ मनई क आँगन में एक कुआँ रहा। योनातन अउ अहीमास इ कुआँ में उतर गएन। 19 उ मनई क पत्नी देवार पइ एक तु चादर डाइ दिहस। तब उ पूरे कुआँ क अन्न स ढाँक दिहस। कुआँ अन्न क ढेर जइसा देखौत रहा, एह बरे कउनो मनई इ नाहीं जान सकत रहा कि योनातन अउ अहीमास हुवाँ छुपा रहेन। 20 अबसालोम क सेवकन उ घरे क मेहरारू क लगे गएन। उ पचे पूछेन, “योनातन अउ अहीमास कहाँ अहई?”

उ मेहरारू अबसालोम क सेवकन स कहेस, “उ पचे पहिले ही नाला क पार कइ गएन ह।”

अबसालोम क सेवकन तब योनातन अउ अहीमास क खोज में चले गएन। किन्तु उ पचे ओनका न पाइ सकेन। एह बरे अबसालोम क सेवकन यरूसालेम लउट गएन।

21 जब अबसालोम क सेवक चले गएन, योनातन अउ अहीमास कुआँ स बाहेर आएन। उ पचे गएन अउ उ पचे दाऊद स कहेन, “हाली करा, नदी क पार जा। अहीतोपेल इ सबइ बातन क तोहार खिलाफ करइ बरे योजना बनावत ह।” 22 तब दाऊद अउ ओकर सबहि लोग यरदन नदी क पार चले गएन। सूरज निकरइ स पहिले दाऊद क सबहि लोग यरदन नदी क पार कइ चुके रहेन।

अहीतोपेल आत्महत्या करत ह

23 अहीतोपेल लखेस कि इस्राएली ओकर सलाह नाहीं मानतेन। अहीतोपेल अपने गदहे पइ काठी धरेस अउर आपन ग्रह-नगर क वापिस हँकिस। उ अपने परिवार क पच्छ में एक वसीयत लिखेस। तब उ अपने क फाँसी लगाइ लिहस। तब अहीतोपेल मर गवा, लोगन ओका ओकरे बाप क कब्र में दफनाइ दिहन।

अबसालोम यरदन नदी क पार करत ह

24 दाऊद महनैम पहुँचा।

अबसालोम अउ सबहि इस्राएली जउन ओकरे संग रहेन, यरदन नदी क पार कइ गएन। 25 अबसालोम अमासा क फउज क सेनापति बनाएस। अमासा योआब क जगह लिहस। अमासा इस्राएली यिन्नन क पूत-रहा। अमासा क महतारी, सरूयाह क बहिन अउ नाहास क बितिया, अबीगैल रही (सरूयाह योआब क महतारी रही।)

26 अबसालोम अउ इस्राएलियन आपन डेरा गिलाद प्रदेश में डाएन।

सोबी, माकीर, बर्जिल्लै

27 दाऊद महनैम पहुँचा। सोबी, माकीर अउ बर्जिल्लै उ ठउरे पइ रहेन। (नाहास क पूत सोबी अम्मोनी नगर रब्बा क रहा। अम्मोनी क पूत माकीर लोदबर क रहा अउर बर्जिल्लै, गिलाद क रेगलीम स रहा।)

28-29 उ पचे कहेन, “रेगिस्ताने में लोग थके, भुखान अउ पिआसे अहई।” एह बरे उ पचे दाऊद अउ ओकरे

लोगन क खाइ क बरे इ सबइ चिजियन लिआएन: गोहूँ, जौ, आटा, भूजी अन्न क फलियन, तिल, झुरान बिआ, सहद, माखन, भेड़िन अउ गइया क दूध क पनीर भी लइ आएन। उ पचे दाऊद अउ ओकर लोगन क खाना परोसेन। उ पचे बिछौना, खोरा अउ माटी क भांडी भी लइ आएन।

दाऊद जुद्ध क तइयारी करत ह

18 दाऊद अपने लोगन क गनेस। उ हजार फउजियन अउर सौ फउजियन क ऊपर सेनापतियन नियुक्त किहेस। 2 दाऊद लोगन क तीन टुकड़ियन में बाँटिस, अउर तब दाऊद लोगन क आगे पठएस। योआब क भाई, सरूयाह क पूत अबीसै दूसर एक तिहाई फउज क अगुवाई किहेस। अउर इतै जउन गात स रहा उ बचा भवा एक तिहाई फउज क अगुवाई किहेस।

राजा दाऊद लोगन स कहेस, “मई भी तू लोगन क संग चलब।”

3 किन्तु लोग कहेन, “नाहीं। आप क हमरे संग नाहीं जाइ चाही। काहे? काहेकि हम लोग जुद्ध स परानेन तउ अबसालोम क फउजी परवाह नाहीं करिहीं। यदि हम आधा मार दीन्ह जाइ तउ भी अबसालोम क फउजी पखाह नाहीं करिहीं। किन्तु आप हम लोगन क दस हजार क बराबर अहई। आप क बरे अच्छा अहइ कि आप नगर में रहई। तब, यदि हम क मदद क जरूरत पड़इ तउ आप मदद कइ सकई।”

4 राजा अपने लोगन स कहेस, “मई उहइ करब जेका आप लोग सर्वोत्तम समुझत हीं।”

तब राजा दुआर क बगल में खड़ा रहा। फउज आगे बढ़ गइ। उ पचे एक सौ अउ एक हजार क टुकड़ियन में गएन।

“जुवक अबसालोम क संग कोमल रहा”

5 राजा योआब, अबीसै अउ इतै क आदेस दिहस: “मोरे बरे इ करा: जुवक अबसालोम क बरे कोमल रहा।” सबहि लोग अबसालोम क बारे में नायकन को राजा क आदेस सुनेन।

दाऊद क फउज अबसालोम क फउज क हरावत ह

6 दाऊद क फउज अबसालोम क इस्राएलियन क खिलाफ रणभूमि में गइ। उ पचे एप्रैम क जँगल में जुद्ध किहन। 7 दाऊद क फउज इस्राएलियन क हराइ दिहस। उ दिन बीस हजार मनई मारे गएन। 8 जुद्ध पूरे देस में फइल गवा। किन्तु उ दिन तरवार स मरइ क अपेक्षा जँगल में मनई जियादा मरेन।

9 इसा भवा कि अबसालोम दाऊद क सेवकन स मिला। अबसालोम बच पराइ बरे अपने खच्चर पइ चड़ा। खच्चर बिसाल बाँज क बृच्छ क डारन क नीचे गवा। डारन मोटी रहिन अउ अबसालोम क मूँड़ बृच्छ में फँस गवा। ओकर खच्चर ओकरे नीचे स पराइ निकरा एह बरे अबसालोम भुईया क ऊपर लटका रहा।

10 एक तु मनई इ होत लखेस। उ योआब स कहेस, “मई अबसालोम क एक बाँज बृच्छ में लटकत लखेउँ ह।”

11 योआब उ मनई स कहेस, “तू ओका मार काहे नाहीं डाय, अउर ओका जमीन पइ काहे नाहीं गिर जाइ दिहा? मई तोहका एक जोद्धन-कमरबंध अउ चाँदी क दस सिक्कन देतेउँ।” 12 उ मनई योआब स कहेस, “मई राजा क पूत क तब भी चोट पहुँचावइ क कोसिस नाहीं करतेउँ, जहाँ तू मोका हजार चाँदी क सिक्कन देत्या। काहेकि हम लोग, तोहका अबीसै अउ इतै क दीन्ह गए राजा क आदिस क सुना। राजा कहेस, ‘होसियार रहा, जुवक अबसालोम क चोट नाहीं पहुँचे।’ 13 जदि मई अबसालोम क मार दिहे होतेउँ, तउ राजा खुद एकर पता लगाइ लेतइ अउर तू मोर बचाव बरे नाहीं आत्या।”

14 योआब कहेस, “मई तोहरे संग समइ नस्ट नाहीं करब।” अबसालोम अबहुँ बाँज बृच्छ में लटका भवा, जिअत रहा। योआब तीन तु भाला लिहस। उ भालन क अबसालोम पइ लोकाएस। भालन अबसालोम क हिरदइ क बेधत भए निकरि गएन। 15 हुवाँ दस तु जुवक रहेन जउन योआब क हथियार लेइ जाइवाल रहेन। उ सबइ दस मनई अबसालोम क चारिहुँ कइँती आपन अउर ओका मार डएन।

16 योआब तुरही बजाएस अउर अबसालोम क सैनिकन क टोलियन क इस्त्राएली लोगन क पाछा करब बंद करइ क संकेत देत रहेन। इ तरह उ दूसर जुद्ध स लोगन क बचाइ लिहस। 17 तब योआब क मनइयन अबसालोम क लहास उठाएन अउर ओका जँगल क एक बड़के गड़हे में फेंक दिहन। उ पचे गड़हे क बहोत स पाथरन स भर दिहन। सबइ इस्त्राएलियन आपन-आपन घरे क पराइ गएन।

18 जब अबसालोम जिअत रहा, उ राजा क घाटी में एक तु खंभा खड़ा किहे रहा। अबसालोम कहे रहा, “मोर कउनो पूत मोरे नाउँ क चलावइ वाला नाहीं अहइ।” एह बरे उ खम्भा क आपन नाउँ दिहस। एह बरे एका आपन बाद नाउँ दिहस। इ खम्भा आजु भी “अबसालोम स्मारक” क रूप जाना जात ह।

योआब दाऊद क खबर देत ह

19 सादोक क पूत अहीमास योआब स कहेस, “मोका अब दउड़ जाइ द्या अउर राजा दाऊद क खबर पहुँचावइ द्या। मई ओहसे कहब कि यहोवा ओनका ओनके दुस्मनन क हाथे स अजाद कइ दिहस ह।”

20 योआब अहीमास क जवाब दिहस, “नाहीं, आजु तू दाऊद क खबर नाहीं देब्या। तू खबर कउनो दूसरे समइ पहुँचाइ सकत ह, किन्तु आजु नाहीं काहे? काहेकि राजा क पूत मरि गवा ह।”

21 तब योआब एक कूसी मनई स कहेस, “जा राजा स उ सब कहा जउन तू लख्या ह।” कूसी योआब क प्रणाम किहस। तब कूसी दाऊद क खबर देइ दउड़ पड़ा।

22 किन्तु सादोक क पूत अहीमास योआब स फुन पराथना किहस, “जउन कछू भी होइ, ओकर चिन्ता नाहीं, कृपा कइके मोका भी कूसी क पाछे दउड़ जाइ द्या।” योआब कहेस, “बेटे, तू समाचार काहे लइ जाइ चाहत अहा? तू

जउन समाचार लइ जाब्या ओकर कउनो पुरस्कार नाहीं मिली।”

23 अहीमास जवाब दिहस, “चाहे जउन होइ, चिन्ता नाहीं, मई दाऊद क लगे दउड़ जाब।” योआब अहीमास स कहेस, “दउड़!” तब अहीमास यरदन क घाटी स होइके दउड़ा उ कूसी क पाछे छोड़ गवा।”

दाऊद खबर पावत ह

24 दाऊद नगर क दुइनउँ फाटकन क बीच बइठा रहा। पहरेदार फाटकन क देवारन क ऊपर छते पइ गवा। पहरेदार धियान स लखेस अउ एक तु मनई क अकेले दउड़त लखेस। 25 पहरेदार दाऊद स कहइ बरे जोर स गोहराएस।

राजा दाऊद स कहेस, “जदि मनई अकेला अहइ तउ उ खबर लावत ह।” मनई नगर क निअरे स निअरे आवत जात रहा। 26 पहरेदार दूसर मनई क दउड़त लखेन। पहरेदार दुआर रच्छक क बोलाएस, “लखा! दूसर मनई अकेले दउड़त बा।” राजा कहेस, “उ भी समाचार लाआवत अहइ।”

27 पहरेदार कहेस, “मोका लागत ह कि पहिला मनई सादोक क पूत अहीमास क तरह दउड़त अहइ।”

राजा कहेस, “अहीमास अच्छा मनई अहइ। उ अच्छी समाचार लावत रहा होइ।” 28 अहीमास राजा क गोहराइ क कहेस। “सब कछू बहोत नीक अहइ।” अहीमास राजा क समन्वा प्रणाम करइ निहुरा। ओकर माथा भुइँया क करीब रहा। अहीमास कहेस, “अपने यहोवा परमेस्सर क स्तुति करा। मोर सुआमी राजा, यहोवा ओन मनइयन क हराइ दिहस ह जउन आप क खिलाफ रहेन।”

29 राजा पूछेस, “का जुवक अबसालोम कुसल स अहइ?” अहीमास जवाब दिहस, “जब योआब मोका पठाएस मई बड़ी उतेजना भीड़ लखेउँ, किन्तु मई नाहीं जानत हउँ कि उ का रहा?” 30 तब राजा कहेस, “हिआँ आ अउर प्रतीच्छा करा।” अहीमास हटके खड़ा होइ गवा अउ प्रतीच्छा करइ लाग।

31 कूसी आवा। उ कहेस, “मोर सुआमी अउर राजा, मोर लगे तोहार बरे अच्छा समाचार अहइ। आजु यहोवा ओन सबइ लोगन क सजा दिहस ह जउन आप क खिलाफ रहेन।”

32 राजा कूसी स पूछेस, “का जुवक अबसालोम कुसल स अहइ?” कूसी जवाब दिहस, “मोका आसा अहइ कि आप क दुस्मन अउर सबहिँ लोग जउन आप क खिलाफ चोट करत अइहीं, उ पचे इ जुवक (अबसालोम) क तरह सजा पइहीं।” 33 तब राजा समुझ लिहस कि अबसालोम मर गवा ह। राजा बहोत काँपत रहा ह। उ नगर दुआर क ऊपर क कमरा में चला गवा अउर रोएस। जइसे ही उ गवा उ रोवा अउर कहेस, “ऐ मोर पूत अबसालोम, मई चाहत हउँ कि मई तोहरे बरे मर गवा होत। ऐ अबसालोम, मोर पूत, मोर पूत।”

योआब दाऊद क फटकारत ह

19 लोग योआब क खबर दिहन। उ पचे योआब स कहेन, “लखा, राजा अबसालोम बरे रोवत अहइ अउर बहोत दुखी अहइ।”

दाऊद क फउज उ दिन जीत पाए रही। मुला उ दिन सबहि लोगन बरे बहोत सोक क दिन होइ गवा। इ सोक क दिन रहा, काहेकि लोग सुनेन, “राजा अपने पूत बरे बहोत दुखी अहइ।”

3लोग नगर में चुपचाप आएन। उ पचे ओन लोगन क तरह रहेन जउन जुद्ध में पराजित होइ गए होई अउ पराइ आए होई। राजा आपन मुँहना ढाँपि लिहस। उ जोर-जोर स अउ फूट-फूटि के रोवत रहा, “मोर पूत अबसालोम! मोर पूत, मोर बेटवा।”

5योआब राजा क महल में आवा। योआब राजा स कहेस, “आजु तू आपन सबहि अधिकारियन क समन्वा अपमानित भवा ह। आजु तोहार सेवकन तोहार जिन्नगी बचाएन। उ पचे तोहरे पूतन, बिटियन, पत्नियन अउ उप-पत्नियन क जिन्नगी क बचाएन। 6तोहार अधिकारियन अपमानित महसूह करत ह कि तू ओनसे पिरेम करत ह जउन तोहसे घिना करत हीं अउर तू ओनसे घिना करत ह जउन तोहसे पिरेम करत हीं। आजु तू इ स्पस्ट कइ दिहा ह कि तोहार अधिकारी अउ तोहार लोग तोहरे बरे कछू नाहीं अहई। आजु मई समुझत हई कि जदि अबसालोम जिअत रहत अउ हम सबहि मार दिए गए होत तउ तोहका बड़ी खुसी होत।

7“अब खड़ा हवा अउ आपन सेवकन स बात करा अउर ओनका प्रोत्साहित करा। मई यहोवा क किरिया खाइके कहत हई कि जदि तू इ करइ बाहेर नाहीं निकरत्या तउ आजु क रात तोहार कउनो मनई नाहीं बची। बचपन स आजु तलक तोह पइ जेतनी बिपत्तियन आई अहई, ओन सब स इ बिपत्ति अउर बदतर होइ।”

8तब राजा नगर दुआर पइ गवा। खबर फइली कि राजा नगर दुआरे पइ अहइ। एह बरे सबहि लोग राजा क लखइ आएन।

दाऊद फुन राजा बनत ह

सबहि अबसालोम क समर्थक इस्त्राएली अपने घरन क पराइ गए रहेन। 9इस्त्राएल क सबहि परिवार समूहन क लोग आपुस में तर्क-वितर्क करइ लागेन। उ पचे कहेन, “राजा दाऊद हम क पलिस्तियन अउ हमार दूसर दुस्मनन स बचाएस। मुला अब उ अबसालोम क समन्वा स पराइ गवा। 10हम लोग अबसालोम क अपने ऊपर सासन करइ बरे चुने रहेई। किन्तु अब उ जुद्ध में मर चुका ह। हम लोगन क दाऊद क फुन राजा बनावइ चाही।”

11राजा दाऊद याजकन सादोक अउ एब्यातार क सँदिसा पठाएस। दाऊद कहेस, “यहूदा क प्रमुखन स बात करा। कहा, ‘तू लोग अन्तिम परिवार समूह काहे अहा जउन राजा दाऊद क अपने राजमहल में वापस लिआवइ चाहत अहा? समूचइ इस्त्राएल में राजा क ओकर महल में वापिस लिआवइ बरे जउन कछू भी कहा गवा, इ राजा तलक पहोच गवा ह। 12तू मोर भाइयन अहा, तू मोरे परिवार अहा। फुन भी तोहार परिवार समूह राजा क महल में वापस लिआवइ में अन्तिम काहे रहा?’ 13अउर अमासा स कहा, ‘तू मोरे परिवारे क अंग अहा। जदि तोहका अभी ही स

योआब क जगह पइ सेना क नायक न बनावउँ, तउ परमेस्सर मोका सजा देइ।”

14दाऊद यहूदा क लोगन क दिल क जीत लिहस। एह बरे उ पचे एक ठु मनई क तरह एकमत होइ गएन। यहूदा क लोग राजा क सँदिसा पठाएन। उ पचे कहेन, “अपने सबहि सेवकन क संग वापस आवा।”

15तब राजा दाऊद यरदन नदी तलक आवा। यहूदा क लोग राजा स भेंटइ गिलगाल आएन। उ पचे एह बरे आएन कि उ पचे राजा क यरदन नदी क पार लइ जाई।

सिमी दाऊद स छमा-याचना करत ह

16गेरा क पूत सिमी बिन्यामीन परिवार समूह क रहा। उ बहूरीम में रहत रहा। सिमी राजा दाऊद स भेंटइ क हाली किहस। सिमी यहूदा क लोगन क संग आवा। 17सिमी क संग बिन्यामीन परिवार क एक हजार लोग भी आएन। साऊल क परिवार क सेवक सीबा भी आवा। सीबा अपने संग अपने पन्द्रह पूतन अउ बीस सेवकन क लिआवा। इ पचे सबहि लोग राजा दाऊद स भेंटइ बरे यरदन नदी पइ जल्दी स पहुँचेन।

18इ सबइ लोग यरदन नदी पार कइके राजा क परिवार क यहूदा में वापस लिआवइ में मदद करइ बरे, अउर उ सबइ कछू करइ बरे गएन जउन राजा चाहेस, गएन। जब राजा नदी पार करत रहा, गेरा क पूत सिमी ओहसे मिलन आवा। सिमी राजा क समन्वा भुईया तलक प्रणाम करइ निहुरा। 19सिमी राजा स कहेस, “मोर सुआमी, जउन मई अपराध किहेई ओन पइ धियान न देई। मोर सुआमी राजा, ओन बुरे करमन क याद न करई जेनका मई तब किहेई जब आप यरूसलेम क तजेन। 20मई जानत हई कि मई पाप किहेई ह। मोर सुआमी राजा, इहइ कारण अहइ कि आजु मई यूसुफ क परिवार क पहिला मनई हई जउन आप स मिलइ आवा ह।”

21किन्तु सरूयाह क पूत अबीसै कहेस, “सिमी क जरूर मरइ चाही काहेकि इ यहोवा दुआरा अभिसिक्त भवा राजा क सरापेस।”

22दाऊद कहेस, “सरूयाह क पूतो, मई तोहरे संग का करउँ? आजु तू मोरे खिलाफ अहा। आजु इस्त्राएल में कउनो मनई मारा नाहीं जाइ चाही। आजु मई जानत हई कि मई इस्त्राएल क राजा हई।”

23तब राजा सिमी स कहेस, “तू मरब्या नाहीं।” राजा सिमी क बचन दिहस कि उ सिमी क खुद नाहीं मारी।

मपीबोसेत दाऊद स मिलइ जात ह

24साऊल क पोता मपीबोसेत राजा दाऊद स भेंटइ आवा। मपीबोसेत उ सारे समइ तलक अपने गोड़न क फिकर नाहीं किहेस, अपनी मूँहन क कतरेस नाहीं या अपने ओढ़नन क नाहीं धोएस जब तलक राजा यरूसलेम तजइ क पाछे फुन: सान्ति क साथ वापस नाहीं आइ गवा। 25जब मपीबोसेत यरूसलेम में राजा क लगे मिलइ आवा, राजा ओहसे प्रस्न पूछेस: “मपीबोसेत तू मोरे संग उ समइ काहे नाहीं आया जब मई यरूसलेम स भाग गवा रहेई?”

26मपीबोसेत जवाब दिहस, “हे राजा, मोर सुआमी। मोर सेवक सीबा मोका मूरख बनाएस। मई सीबा स कहेउँ, ‘मई विकलंग हउँ। एह बरे गदहे पड़ काठी लगावा। तब मई गदहे पड़ बड़ठव, अउर राजा क संग जाब।’ 27किन्तु मोर सेवक मोका धोखा दिहस। मोरे बारे में आप स बुरी बातन कहेस। किन्तु हे, मोर सुआमी अउ राजा, परमेस्सर क एक सरगदूत क समान अहइ। आप उहइ करई जउन आप उचित समुझत हीं। 28आप मोरे पितामह क सारे परिवार क मार दिहे होतेन। किन्तु आप इ नाहीं किहन। आप मोका ओन लोगन क संग रखेन जउन आप क मेज पड़ खात हीं। एह बरे मई राजा स कउनो बात बरे सिकाइत करइ क अधिकार नाहीं राखत।”

29राजा मपीबोसेत स कहेस, “अपनी समस्यन क बारे में जियादा कछू जिन कहा। मई इ निर्णय करत हउँ। तू अउ सीबा भुइयाँ क बँटवारा कइ सकत ह।”

30मपीबोसेत राजा स कहेस, “सीबा क सारी भुइयाँ लइ लेइ द्या। काहे? काहेकि मोर सुआमी राजा अपने महल में सान्तिपूर्वक लउट आएन ह।”

दाऊद बर्जिल्लै स अपने संग यरूसलेम चलइ क कहत ह

31गिलाद क बर्जिल्लै रोगलीम स आवा। उ राजा दाऊद क संग नदी तलक आवा। उ राजा क संग, यरदन नदी पार करावइ बरे गवा। 32बर्जिल्लै बहोत बूढ़ा मनई रहा। उ अस्सी बरिस क रहा। जब दाऊद महनैम में ठहरा रहा तब उ ओका भोजन अउ दूसर चिजियन दिहे रहा। बर्जिल्लै इ सब कइ सकत रहा काहेकि उ बहोत धनी मनई रहा। 33दाऊद बर्जिल्लै स कहेस, “नदी क पार मोरे संग चला। जदि तू मोरे संग यरूसलेम में रहब्या तउ हुवाँ मई तोहार देखभाल करब।”

34किन्तु बर्जिल्लै राजा स कहेस, “का आप जानत हीं कि मई केतना बूढ़ा हउँ? का आप सोचत हीं कि मई आप क संग यरूसलेम का जाइ सकत हउँ? 35मई अस्सी बरिस क हउँ। मई ऐतना जियादा बुढ़वा अहउँ कि मई इ नाहीं बताइ सकत कि नीक का अहइ अउर बुरा का अहइ। मई ऐतना जियादा बुढ़वा हउँ कि मई जउन खात पिअत हउँ ओकर सुआद नाहीं लइ सकत हउँ। मई ऐतना बुढ़वा हउँ कि मनसेधुअन अउ मेहरारूअन क गावइ क अवाज भी नाहीं सुन सकत। एह बरे मोका काहे आपन सुआमी राजा बरे एक बोझा बन के जोर जाइ चाही? 36मई आप क ओर स पुरस्कार नाहीं चाहत। मई आप क संग यरदन नदी क पार करब। 37मुला, कृपा कइके मोका वापस लउट जाइ द्या। तब मई अपने नगर में मरब अउर अपने महतारी-बाप क कब्र में दफनावा जाब। मुला इ किम्हाम आप क सेवक होइ सकत ह। मोर सुआमी राजा ओका अपने संग लउटइ देई। जउन आप चाहई, ओकरे संग करई।”

38राजा जवाब दिहस, “किम्हाम मोरे संग लउटी। मई तोहरे कारण ओह पड़ दयालु रहब। मई तोहरे बरे कछू भी कइ सकत हउँ।”

दाऊद घरे लउटत ह

39राजा बर्जिल्लै क चूमेस अउर ओका आसीबादि दिहस। बर्जिल्लै घरे लउट गवा अउर राजा सबहिं लोग क साथ नदी क पार वापस गएन।

40यरदन नदी क पार होइके पाछे, राजा गिलगाल गवा। किम्हाम ओकरे संग गवा, यहूदा क सबहिं लोग अउ आधे इस्राएल क लोग दाऊद क नदी क पार पहुँचाएन।

इस्राएली यहूदा क लोगन स तर्क-बितर्क करत हीं

41सबहिं इस्राएली राजा क लगे आएन। उ पचे राजा स कहेन, “हमार भाई यहूदा क लोग, आप क चुराइ लइ गएन अउर आप क अउर आप क परिवार क, आप क लोगन क संग यरदन नदी क पार लइ आएन। काहे?”

42यहूदा क सबहिं लोग इस्राएलियन क जवाब दिहन, “काहेकि राजा हमारा निचके क रिस्तेदार अहइ। इ बात क बरे आप लोग हम लोगन स कोहान काहे अहई? हम लोग राजा क कीमत पड़ खइया क नाहीं खावा ह। राजा हम लोगन क कउनो भेंट नाहीं दिहस।”

43इस्राएलियन जवाब दिहन, “हम लोग दाऊद में दस भाग* पावत अही। एह बरे हम लोगन क अधिकार दाऊद पड़ तोहसे जियादा अहइ। किन्तु तू लोग हम लोगन उपेच्छा किहा। काहे? कउन हमार राजा क सब स पहिले वापस लिआवइ क बात किहस।”

यह बरे यहूदा क लोग इस्राएल क लोगन क बड़ा गन्दा जवाब दिहन।

सेबा दाऊद क खिलाफ बिद्रोह किहेन

20 उ जगह पड़ एक परेसानी पड़दा करइवाल बिक्री क पूत सेबा नाउँ क मनई रहा। सेबा बिन्यामीन परिवार समूह क रहा। उ तुरही बजाएस अउर कहेस,

“हम लोगन क कउनो हींसा दाऊद में नाहीं अहइ, यिसै क पूत में हम पचन क कउनो अंस नाहीं अहइ। पूरे इस्राएली, हम लोग अपने डेरन में घरे चले।”

2तब इस्राएलियन दाऊद क छोड़ दिहन, अउर बिक्री क पूत सेबा क अनुसरण किहन। किन्तु यहूदा क लोग अपने राजा क संग लगातार यरदन नदी स यरूसलेम तलक बने रहेन।

दाऊद अपने घरे यरूसलेम क आवा। दाऊद अपनी उप-पत्नियन में स दस क घरे क देखभाल क बरे छोड़े रहा। दाऊद एन मेहरारूअन क एक बिसेस घरे में रखेस। उ घरे क चारिहुँ कइँती रच्छकन राखेस। मेहरारूअन उ घरे में तब तलक रहिन जब तलक उ पचे मरी नाहीं। दाऊद ओनका भोजन दिहस, किन्तु ओनके संग सारीरिक सम्बंध नाहीं किहस। उ पचे मरइ क समइ तलक राँइ रहिन।

दाऊद में दस भाग यहूदा अउर बिन्यामीन दुई परिवार समूह रहा जउन राज क विभाजन क पाछे यहूदा क राज बन गवा। अउर दूसर दस परिवार समूह इस्राएल क राज में रहेन।

4राजा अमासा स कहस, “यहूदा क लोगन स कहा कि उ पचे मोहसे तीन दिन क भीतर मिलई, अउर तोहका भी हिआँ आवइ क होइ अउर मोरे समन्वा खड़ा होइ क होइ।”

5तब अमासा यहूदा क लोगन क एक संग बोलावइ गवा। किन्तु उ, जेतना समइ राजा दिहे रहा, ओहसे जियादा समइ लिहस।

दाऊद अबीसै स सेवा क मारइ क कहत ह

6दाऊद अबीसै स कहस, “बिक्री क पूत सेवा हम लोगन बरे ओहसे भी जियादा खतरनाक अहइ जेतना अबसालोम रहा। एह बरे मोरे सेवकन क ल्या अउर सेवा क पाछा करा। हाली करा एसे पहिले कि उ किलाबन्द नगर में घुस जाइ अउर हम लोगन स बच के निकल जाइ।”

7योआब क मनई करेती, पलेती अउ फउजी यरूसलेम स बाहरे गएन। उ पचे बिक्री क पूत सेवा क पाछा किहन।

योआब अमासा क मार डवत ह

8जब योआब अउर फउज गिबोन क बड़ा चट्टान तलक आइ, अमासा ओनसे मिलइ आवा। योआब अपने फउजी पोसाक में रहा। योआब पेटी बाँध रखे रहा। ओकर तरवार ओकरे म्यान में रही। 9योआब अमासा स पूछेस, “भाई, तू हर तरह कुसल स तउ अहा?”

योआब चूमइ बरे अपने दाएँ हाथ स, अमासा क ओकरी डाढ़ी क सहारे धरेस। 10अमासा उ तरवार पइ धियान नाहीं दिहेस जउन ओकरे हाथे में रही। योआब अमासा क पेट में तरवार घुसेइ दिहस अउर ओकर आँतन भुईया पइ आइ पड़िन। योआब क अमासा पइ दुबारा चोट नाहीं करइ पड़ी, उ पहिले ही मर चुका रहा।

दाऊद क लोग सेवा क खोज में लगे रहेन

तब योआब अउ ओकर भाई अबीसै दुइनउँ बिक्री क पूत सेवा क खोज जारी किटन। 11योआब क जुवकन में स एक ठु मनई अमासा क ल्हासे क लगे खड़ा रहा। उ जुवक कहस, “हर एक मनई जउन योआब अउ दाऊद क समर्थन करत ह, ओका योआब क अनुसरण करइ चाहीं।”

12अमासा क ल्हास सड़क बीच में रहा सड़क ओकर खून स ढाँपि गवा। जुवकन लखेन कि सभी लोग ल्हास क लखइ बरे रुकत रहेन। एह बरे उ अमासा क ल्हास क लइ गवा अउर ओका मइदान में रख दिहस। तब उ अमासा क ल्हास पइ एक ठु कपड़ा डाइ दिहस। 13जब अमासा क ल्हास सड़किया स हटाइ लीन्ह गवा, सबहि लोग ओकर पीछे चलेन अउ योआब क अनुसरण किहन। उ पचे बिक्री क पूत सेवा क पाछा करइ योआब क संग गएन।

सेबा आबेल बेतमाका क बच निकरत ह

14बिक्री क पूत सेवा सबहि इस्त्राएल क परिवार समूहन स होत भवा आबेल बेतमाका पहँचा। सबहि बेरी लोग भी एक संग गएन अउर उ पचे सेवा क अनुसरण किहन।

15योआब अउ ओकर लोग आबेल बेतमाका आएन। योआब क फउज नगर क घेर लिहस। उ पचे नगर देवार

क सहारे माटी क ढेर लगाएन। अइसा करइ क पाछे उ पचे देवार क ऊपर चढ़ सकत रहेन। तब योआब क फउजियन ओका नीचे गिरावइ बरे देवार स पाथरन क निकालइ सुरू किहन।

16एक बुद्धिमती मेहरारू नगर क ओर स चिचिआइ। उ कहस, “मोरउ सुना। योआब क हिआँ बोलावा। मई ओहसे बात करइ चाहत हउँ।”

17योआब उ मेहरारू क लगे बात करइ गवा। उ मेहरारू पूछेस, “का तू योआब अहा?” योआब जवाब दिहस, “हाँ, मई अहउँ।”

तब उ मेहरारू योआब स कहस, “मई जउन कहउँ सुना।” योआब कहस, “मई सुनत हउँ।”

18तब उ मेहरारू कहस, “पुराने जमाने में लोग कहत रहेन, ‘आबेल में सलाह माँगा तब समस्या सुलझ जाइ।’ 19मई इस्त्राएल क राजभक्त अउ सात्ति क चहेता लोगन में स एक हउँ। तू इस्त्राएल क एक महत्वपूर्ण नगर क नस्ट करत अहा। तोहका, उ कउनो भी चीज, जउन यहोवा क अहइ, नस्ट नाहीं करइ चाहीं।”

20योआब कहस, “नाहीं, मई कछू भी नस्ट नाहीं करइ चाहत। 21मुला हुवाँ तोहार नगर में एप्रैम क पहाड़ी प्रदेश क एक ठू मनई अहइ। उ बिक्री क पूत सेवा अहइ। उ राजा दाऊद क बिरूद्ध होइ गवा ह। जदि तू ओका मोरे लगे लिआवा तउ मई नगर क सात्त छोड़ देबउँ।”

उ मेहरारू कहस, “बहोत ठीक, ओकर मँडू देवारे क ऊपर स तोहरे बरे लोकाइ दीन्ह जाइ।”

22तब उ मेहरारू बड़ी बुद्धिमानी स नगर क सबहि लोगन स बातन किहस। लोग बिक्री क पूत सेवा क मँडू काट डापन। तब लोग योआब बरे सेवा क मँडू नगर क देवार स लोकाइ दिहन। एह बरे योआब तुरुही बनाएस अउर फउज नगर क तजि दिहस। हर एक मनई अपने घरे में गवा, अउर योआब राजा क लगे यरूसलेम लउटा।

दाऊद क सेवक लोग

23योआब इस्त्राएल क सारी फउज क नायक रहा। यहोयादा क पूत बनायाह, करेतियन अउ पलेतियन क संचालन करत रहा। 24अदोराम ओन लोगन क संचालन करत रहा जउन कठिन मेहनत करइ बरे मजबूत रहेन। अहीलूद क पूत यहोसापात इतिहासकार रहा। 25सेबा साही सचिव रहा। सादोक अउ एब्यातात याजक रहेन। 26अउर याईरी ईरा दाऊद क याजक रहा।

साऊल क परिवार दण्डित भवा

21 दाऊद क सासन काल में भुखमरी आवा। इ लगातार तीन बरिस तलक रही। दाऊद यहोवा स पराथना किहेस। यहोवा जवाब दिहस, “इ भुखमरी क कारण साऊल अउ ओकर हत्यारा परिवार अहइ। अब भुखमरी आइ काहेकि साऊल गिबोनियन क मार डापस।” 2(गिबोनी इस्त्राएली नाहीं रहेन। उ पचे अइसे एमोरियन क समूह रहेन जउन अबहुँ तलक जिअत छोड़ दीन्ह गए रहेन। इस्त्राएलियन गिबोनियन स प्रतिग्या किहे रहेन कि उ पचे ओन क चोट

नाहीं पहुँचईहीं। किन्तु साऊल इस्राएल अउ यहूदा क लोगन क बारे में आपन भावना क कारण ओन लोगन क मारइ क जतन किहेन)

राजा दाऊद गिबोनी क एक संग बटोरेस। उ ओनसे बातन किहस। 3दाऊद गिबोनी स कहेस, “मई आप लोगन बरे का कइ सकत हउँ? मोका इस्राएलियन क पापन क हटावइ बरे का करइ चाही। जेहसे आप लोग यहोवा क लोगन क आसीबाद दइ सकई?”

4गिबोनी दाऊद स कहेस, “साऊल अउ ओकरे परिवार क लगे एतना सोना-चौदी नाहीं अहइ कि उ पचे ओका कीमत चुकाइ सकई जउन उ पचे किहेन। किन्तु हम लोगन क लगे इस्राएल क कउनो मनई क भी मारइ क अधिकार नाहीं अहइ।” दाऊद पूछेस, “किन्तु मई तोहरे बरे का कइ सकत हउँ?”

5गिबोनी दाऊद स कहेस, “साऊल हमरे खिलाफ जोजनन बनाएस। उ हमरे सबहि लोगन क, जउन इस्राएल में रहत अहई, नस्ट करइ क जतन किहस। 6साऊल क सात पूतन क हम लोगन क सुर्पुद करा। साऊल यहोवा क चुना भवा राजा रहा। तब हम लोग ओनका साऊल क गिबा पर्वत पइ यहोवा क समन्वा फाँसी चढ़ाइ देब।”

राजा दाऊद कहेस, “मई ओन पूतन क तोहका दइ देब।” 7किन्तु राजा योनातन क पूत मपीबोसेत क रच्छा किहेस। योनातन साऊल क पूत रहा। दाऊद यहोवा क नाउँ पइ योनातन स प्रतिग्या किहे रहा। एह बरे राजा मपीबोसेत क ओनका चोट नाहीं पहोंचावइ दिहस। 8किन्तु राजा अर्मोनी अउर मपीबोसेत क जउन रिस्पा अउर साऊल क पूतन क रहेन, लिहस। रिस्पा अय्या क बिटिया रही। राजा रिस्पा क एन दुइ पूतन अउ साऊल क बिटिया मेरब क पाँचहु पूतन क लिहस। उ महोल नगर क निवासी बर्जिल्लै क पूत अद्रीएल स बियाह किहे रहेन। 9दाऊद एन सात पूतन क गिबोनियन क सुर्पुद कइ दिहस। तब गिबोनियन ओनका यहोवा क समन्वा गिबा पर्वत पइ फाँसी दइ दिहस। सबइ सातहुँ पूत एक संग मरेन। उ पचे फसल क कटनी क पहिले दिन मार डाए गएन। जौ क कटनी सुरु होइ जात रही।

दाऊद अउ रिस्पा

10अय्या क बिटिया रिस्पा सोक क वस्त्र लिहेस अउ ओका चट्टान पइ रख दिहस। उ वस्त्र फसल क कटनी सुरु होइ स लइके जब तलक बर्खा भइ चट्टान पइ पड़ा रहा। दिन में रिस्पा अपने पूतन क लहास क अकासे क पंछियन क जरिये छुअइ नाहीं देत रही। राति क रिस्पा खेतन क जनावरन क अपने पूतन क लहासन क छुअइ नाहीं देत रही।

11लोग दाऊद क बताएन, जउन कछू साऊल क उप-पत्नी, अय्या क बिटिया रिस्पा करत रही। 12तब दाऊद साऊल अउ योनातन क अस्थियन याबेस गिलाद क लोगन स लिहस। (याबेस क मनइयन एन अस्थियन क बेतसान क सार्वजनिक चौ-राहे स चुरइ लिहे रहेन, जहाँ पलिस्तियन साऊल अउ योनातन क लहासन क लटकावा रहा।)

13दाऊद, साऊल अउ ओकर पूत योनातन क अस्थियन क याबेस गिलाद से लिआवा। तब लोग सात मनइयन क लहासन क बटोरेन, जउन फाँसी पइ चढ़ाइ दिह ग रहेन। 14उ पचे साऊल अउ ओकर पूत योनातन क अस्थियन क बिन्यामीन छेत्र क, जेला जगह में दफनाएस। लोग लहासन क साऊल क बाप कीस क कब्र में दफनाएन। लोग उ सब किहेन जउन राजा आदेस दिहस। तब परमेस्सर देस क बरे कीन्ह गइ ओकर पराथना सुनेस।

पलिस्तियन क संग जुद्ध

15पलिस्तियन इस्राएलियन क खिलाफ जुद्ध छेडेन। दाऊद अउ ओकर लोग पलिस्तियन स लड़इ गएन। किन्तु दाऊद थक गवा अउर कमजोर होइ गवा। 16यिसबोबनोब एक दैत्य* रहा। यिसबोबनोब क भाले क वजन साढ़े सात पौण्ड रहा। यिसबोबनोब क लगे एक तु नई तरवार रही। उ दाऊद क मार डावइ क जतन किहेस। 17किन्तु सरूयाह क पूत अबीसै उ पलिस्ती क मार डाएस अउ दाऊद क जिन्नगी क बचाएस।

तब दाऊद क लोग दाऊद स प्रतिग्या किहेस। उ पचे ओहसे कहेन, “तू हम लोगन क संग भविस्स में जुद्ध करइ नाहीं जाइ सकत्या। जदि तू फुन जुद्ध में जात ह अउर मार दीन्ह जात ह तउ इस्राएल अपने सब स बड़े मार्ग दर्सक क खोइ देइ।”

18ओकरे पाछे पलिस्तियन क संग गोब में दूसर जुद्ध भवा। हूसाई सिब्वकै सप नाउँ क एक दूसर दैत्य क मार डाएस।

19तब गोब में पलिस्तियन क बिरूद्ध दूसर जुद्ध छिड़ा। यारयोरगीम क पूत एलहानान जउन बेतलेहेम क रहा, लहमी क मार डाएस जउन गात स गोल्यात क भाइ रहा। लहमी क भाला जुलाहे क छड़े क बराबर लम्बा रहा।

20गात में फुन दूसर जुद्ध सुरु भवा। हुवाँ एक बिसाल मनई रहा। उ मनई क हर एक हाथे में छः छः उँगरियन अउ हर एक गोड़े में छः छः अँगूठे रहेन। सब मिलाइके ओकर चौबीस उँगरियन अउ अँगूठे रहेन। उ मनई भी दैत्यन में स एक रहा। 21इ मनई इस्राएल क संग दलाली किहेस अउर ओनका ललकारेस। किन्तु योनातन इ मनई क मार डाएस। (योनातन दाऊद क भाई सिमी क पूत रहा।)

22इ सबइ चारिहुँ मनई दैत्य रहेन जउन गत क रहेन। उ पचे सबहि दाऊद अउ ओकरे लोगन क जरिये मारे गएन।

यहोवा क स्तुति बरे दाऊद क गीत

22 दाऊद यहोवा बरे इ गीत गाएस जब यहोवा ओका साऊल अउर ओकर दूसर दुस्मनन स बचाएस।

2यहोवा मोर चट्टान, मोर गढ़, मोर सरण-ठउर अहइ।

3मई परमेस्सर मोर चट्टान अहइ। मई सुरच्छा बरे एह पई दउइ सकत ही। परमेस्सर मोर ढाल अहइ। ओकर सक्ती

दैत्य या “रापा (रपाई)” क पूतन रहेन।

मोका बचावत ह। यहोवा मोर ऊँच गढ़ अहइ, अउर मोर सुरच्छा क जगह अहइ। मोर परमेस्सर क्रूर दुस्मन स मोर रच्छा करत ह।

4यहोवा जउन अराधना क योग्य अहा! मई मदद बरे यहोवा क गोहराएउँ। यहोवा मोका मोरे दुस्मन स बचाए ह।

5मोर दुस्मन मोका मारइ चाहत रहेन। मउत-तरंगन मोका लपेट लिहन। मई बाढ़ दुआरा पकड़ लीन्ह गवा रहा जउन मोका मृत्यु क जगह परई लइ जात रहा ह।

6कब्र क लसुरियन मोरे चारिहूँ ओर लिपटिन, मई मउत क जालि में फँसेउँ।

7मई बिपति में रहा, किन्तु मई यहोवा क गोहराएउँ। हाँ, मई अपने परमेस्सर क गोहराएउँ, उ अपने उपासना-घरे में रहा, उ मोर पुकार सुनेस, मोर मदद क पुकार ओकरे काने में पड़ी।

8तब धरती में काँप भइ, धरती डोल उठी, अकासे क नीव काँप उठेन। काहे? काहेकि यहोवा कोहान रहा।

9ओकरी नाक स धुआँ निकरा, ओकरे मुँह स आग क सोला छिटकिन, ओहसे दहकत अंगारन निकरि पड़ेन।

10यहोवा अकासे क फाड़िके खोल डाएस, अउर खाले आवा। उ सघन करिया मेघ पइ खड़ा भवा।

11यहोवा करूब दूत पइ बइठा, अउर उड़ा, उ हवा क पंखन पइ चढ़िके उड़ गवा।

12यहोवा तम्बू क जइसा करिया मेघन क अपने चारिहूँ कइँती लपेट लिहस। उ सघन मेघन में जल जमा किहेस।

13ओकर तेज एतना प्रखर रहा, माना बिजुरी क चमक हुँवई स आई होइ।

14यहोवा गगन स गरजा। परमेस्सर, बहोत ऊँचा, बोला।

15यहोवा बाण स दुस्मनन क बिखराएस, यहोवा बिजुरी पठाएस, अउर लोग भय स भागेन।

16यहोवा तू जोर स बोलेस अउर जोरदार हवा तोहार नाथुन स निकलेस। ऐह बरे हुआँ धरती क नेंव अउ सागर क तल सबइ क लखइ बरे प्रदर्सित कीन्ह गवा रहेन।

17यहोवा गगन स खाले पहोँचा, यहोवा मोका धइ लिहस, उ मोका गहरे जल (बिपति) स निकार लिहस।

18उ ओन लोगन स बचाएस, जउन घिना करत रहेन, मोहसे मोर दुस्मन मोहसे जियादा ताकतवर रहेन, एह बरे उ मोर रच्छा किहस।

19मई बिपति में रहा, जब मोरे दुस्मनन क मोह पइ हमला भवा, किन्तु मोर यहोवा मोर मदद किहस।

20यहोवा मोका सुरच्छा में लइ आवा, उ मोर रच्छा किहस, काहेकि उ मोहसे पिरेम करत ह।

21यहोवा इमानदारी क अनुसार मोका पुरस्कार देत ह। यहोवा मोका पुरस्कार देत ह काहेकि मोर हाथ पाप रहित अहई।

22काहे? काहेकि मई यहोवा क नेमन क पालन किहेउँ। मई अपने परमेस्सर क खिलाफ पाप नहीं किहेउँ।

23मई सदा याद करत हउँ यहोवा क निर्णय, मई ओकरे नेमन क मानत हउँ।

24यहोवा जानत ह-मई अपराधी नहीं अहउँ, मई अपने क पापन स दूर रखत हउँ।

25इहइ कारण अहइ कि यहोवा मोका मोर ईमानदारी क अनुसार पुरस्कार देत ह, मई निआव में उचित रहत हउँ। यहोवा लखत ह, कि मई स्वच्छ जिन्गी बितावत हउँ।

26जदि कउनो मनई तोहसे पिरेम करी तउ तू आपन पिरेम स पूर्ण दाया ओह पइ करब्या। जदि कउनो तोहरे बरे सच्चा अहइ, तब तू भी ओकरे बरे सच्चा होब्या।

27जदि कउनो तोहरे बरे अच्छी जिन्गी बितावत ह, तब तू ओकरे बरे अच्छा बनब्या। किन्तु जदि कउनो मनई तोहरे खिलाफ होत ह, तब तू भी ओकरे बिरुद्ध होब्या।

28तू बिनम्र लोगन मदद करत ह। किन्तु तू घमण्डी लोगन क अपमानित करत ह।

29यहोवा तू मोर दीपक अहा, यहोवा मोरे चारिहूँ ओर क अँधेरे क प्रकास में बदलत ह।

30तू फउजिन क दल क हराबइ में मोर मदद करत ह। परमेस्सर क सक्ती स मई देवार क ऊपर चढ़ सकत हउँ।

31परमेस्सर क सक्ती पूर्ण अहइ। यहोवा क बचन क जाँच होइ चुकी अहइ। यहोवा रच्छा बरे, अपने लगे पराइवाले हर मनई क ढाल अहइ।

32यहोवा क अलावा कउनो दूसर परमेस्सर नहीं, हमरे परमेस्सर क अलावा दूसर कउनो आस्रय-सिला नहीं।

33परमेस्सर मोर मजबूत गढ़ अहइ। उ सुद्ध आतिमन क ओकर राह पइ रहइ बरे मदद करत ह।

34यहोवा मोरे गोड़न क हिरन क गोड़न-स तेज बनावत ह, उ उच्च ठउरन पइ मोका मजबूत करत ह।

35यहोवा मोका जुद्ध बरे सिच्छा देत ह। अउर मोर भुजा पीतर क धनुस क चलाइ सकत हीं।

36परमेस्सर तू मोर रच्छा करत ह अउर जीत में मोर मदद करत ह। तू दुस्मन क हराइ बरे मोर मदद किहेस ह।

37मोर गोड़न अउ टखनन क मजबूत करा, जेहसे मोर गोड़ फिसलइ नहीं।

38मई अपने दुस्मनन क पाछा, ओनका नस्ट करइ तलक किहेउँ। मई तब तलक नहीं लउट सकत हउँ, जब तलक दुस्मन नस्ट नहीं भएन।

39मई अपने दुस्मनन क नस्ट किहेउँ ह, मई ओनका पूरी तरह नस्ट किहेउँ ह, उ पचे फुन उठ नहीं सकतेन, हाँ मोर दुस्मन मोरे गोड़न क तले गिरेन।

40परमेस्सर तू मोका जुद्ध बरे, ताकतवर बनाया। तू मोरे दुस्मनन क हराया ह।

41तू मोरे दुस्मनन क भगाया ह, एह बरे मई ओन लोगन क हराइ सकत हउँ, जउन मोहसे घिना करत हीं।

42मोर दुस्मनन मदद बरे लखेन, किन्तु ओनकर रच्छक कउनो नहीं रहा। उ पचे यहोवा स मदद माँगेन, मुला उ ओनका जवाब नहीं दिहस।

43मई अपने दुस्मनन क कूटिके टूकन-टूकन करत हउँ, उ पचे भुइँया पइ धूरि स होइ जात हीं। मई ओनका सड़क क कीच क तरह रौंद दिहेउँ।

44तू तब मोका उ लोगन स बचाएस ह जउन मोरे बिरुद्ध लड़ाई किहन। तू मोका रास्ट्रन क सासक बनाए रख्या। लोग मोर सेवा करिहीं, जेनका मई अबहुँ तलक नहीं जानत हउँ।

45दूसर भूईया क लोग मोर आग्या मानत हीं, जइसे ही सुनत हीं, तउ हाली ही मोर आग्या मानत हीं।

46दूसर देसन क लोग भयभीत होइहीं, उ पचे अपने छिपइ क जगहियन स भय स काँपत निकरिहीं।

47यहोवा जीवित अहइ। मई आपन चट्टान क स्तुति करत हउँ। परमेस्सर महान अहइ, उ चट्टान अहइ जउन मोर रच्छा करत ह।

48उ परमेस्सर अहइ, जउन मोरे दुस्मनन क मोरे बरे सजा देत ह। उ लोगन क मोरे अधीन करत ह।

49यहोवा तू मोका मोरे दुस्मनन स बचाएस ह। हौं, तू उ लोगन क हराइ मँ मदद किहेस ह जउन मोरे खिलाफ उठेस। तू मोका क्रूर लोगन स बचाएस ह।

50हे यहोवा, इहइ कारण अहइ कि मई रास्ट्रन क बीच मँ तोहका धन्यवाद दिहेउँ, इहइ कारण अहइ कि मई तोरे नाउँ क स्तुति गीत गावत हउँ।

51यहोवा अपने राजा क मदद, बहोत स जुद्ध मँ बिजय पावइ मँ करत ह, यहोवा अपने अभिसिक्त भवा राजा पइ सच्चा पिरेम अउ दया दिखावत ह। उ दाऊद अउ ओकर सन्तान पइ सदा दयालु रहब।

दाऊद क आखिरी सब्द

23 इ सबइ यिसै क पूत दाऊद क अन्तिम सब्द अहइँ, दाऊद इ गीत गाएस:

इ सँदेस उ मनई स रही जेका परमेस्सर महान बनाएस, उ याकूब क परमेस्सर क जरिये चुना गवा राजा अहइ, उ इस्राएल क प्रिय गायक अहइ।

2यहोवा क आतिमा मोरे माध्यम स बोलेस। ओकर सब्द मोरी जीभ पइ रहेन।

3इस्राएल क परमेस्सर बातन किहन। इस्राएल क आस्रय, चट्टान मोहसे कहेस, “उ मनई जउन लोगन पइ निआउपूर्ण सासन करत ह, उ मनई जउन परमेस्सर क सम्मान दइके हुकूमत करत ह।

4उ भिसारे क प्रकास क नाई होइ; उ मनई मेघहीन सबेरे क तरह होइ, उ मनई उ बर्खा के बाद धूप क नाई होइ; बर्खा जउन भुईया मँ कोमर घास उगावत ह।”

5परमेस्सर मोरे परिवार क ताकतवर बनाए रहा। परमेस्सर मोरे संग सदा ही क बरे एक तु वाचा किहेस, परमेस्सर मोर संग इ हमेसा रहइवालन करार क सच्चा अउर सुरच्छित बनाएस ह। एह बरे उ मोका हर बिजय दिलाउव्या। उ मोर सबइ इच्छा क पूरा करब।

6मुला सबहिं बुरे मनई काँटन क तरह अहइँ। लोग काँटन क नाहीं पकड़ कइ नाहीं रखतेन, उ पचे ओनका दूर लोकाइ देत हीं।

7जदि कउनो मनई ओनका छुअत ह, तउ उ पचे भाले क दण्ड क तरह चुभत हीं जउन काठे अउ लोहा स बना होइ। उ पचे ओन काँटन क तरह होइहीं। उ पचे आगी मँ झोक दीन्ह जइहीं, अउर उ पचे पूरी तरह भस्म होइ जइहीं।

तीन महाजोधा

8दाऊद क फउजियन क नाउँ इ सबइ अहइँ: तहकमोनी

क रहइवाला योसेव्यस्सेबेत। योसेव्यस्सेबेत राजा क बिसेस सैनिकन क प्रमुख रहा। योसेव्यस्सेबेत एक दाई मँ आठ सौ मनइयन क मारे रहा।

9ओह स अगला अहोही स दौदे क पूत एलीआजर रहा। एलीआजर ओन तीन बहादुरन मँ स एक रहा, जउन दाऊद क संग उ समइ रहेन जब उ पचे पलिस्तियन क चुनौती दिहे रहेन। पलिस्तियन एक संग जुद्ध बरे तब आए रहेन, किन्तु इस्राएली फउज भाग गए रहेन। 10एलीआजर पलिस्तियन क संग तब तलक लड़त रहा जब तलक उ बहोत थक नाहीं गवा। किन्तु उ अपनी तरवार क मजबूते स धरे रहा अउर जुद्ध करत रहा। उ दिन यहोवा इस्राएलियन क बड़की बिजय दिहस। लोग तब आएन जब एलीआजर जुद्ध जीत चुका रहा। किन्तु उ पचे सिरिफ मृत फउजन स अस्त्र-सस्त्र अउ कवचन लेइ बरे आएन।

11ओकरे बाद हरार क रहइवाला आगे क पूत सम्मा रहा। पलिस्ती एक संग मसूर क खेत मँ लड़इ बरे आए रहेन। लोग पलिस्तियन क समन्वा स पराइ गए रहेन। 12सम्मा खेते क बीच खड़ा रहा। उ ओकर रच्छा किहेस अउर पलिस्तियन क हराइ डाएस। उ समइ यहोवा बड़की बिजय दिहस।

13एक दाई जब दाऊद अदुल्लाम क गुफा मँ रहा। तीस जोधन मँ स तीन दाऊद क लगे आएन। इ सबइ तीनहुँ मनई अदुल्लाम क गुफा तलक रेगंत भए दाऊद क लगे आएन। पलिस्ती फउज आपन डेरा रपाईम क घाटी मँ डाए रही।

14उ समइ दाऊद किले मँ रहा। पलिस्तियन क एक फउज टुकरी बेतलेहेम मँ रहेन। 15दाऊद क बड़ी इच्छा रही कि ओका गृह-नगर क पानी मिलइ। दाऊद कहेस, “ओह, मई चाहत हउँ कि कउनो मनई बेतलेहेम क नगर-दुआर क लगे क कुएँ क पानी मोका देइ।”

16किन्तु तीनहुँ जोधा पलिस्ती फउज क संग लड़त भए आपन मारग स निकल गएन। एन तीनहुँ बहादुरन बेतलेहेम क नगर-दुआर क निचके क कुएँ स पानी निकारेन। तब तीनहुँ बहादुर दाऊद क लगे पानी लइके आएन। किन्तु दाऊद पानी पिअइ स इन्कार कइ दिहस। उ यहोवा क समन्वा ओका भेंटन क रूप मँ भुईया पइ डाइ दिहस। 17दाऊद कहेस, “यहोवा, मई एका पी नाहीं सक्तेउँ। इ ओन मनइयन क खून पिअइ जइसा होइ जउन अपनी जिन्नगी क मोरे बरे खतरे मँ डाएन।” इहइ कारण रहा कि दाऊद उ पानी पिअब अस्वीकार किहस। एन तीनहुँ जोधन उ तरह क अनेक कारज किहेन।

दूसर बहादुर फउजी

18सरूयाह क पूत, योआब क भाई अबीसै तीनहुँ जोधन क प्रमुख रहा। अबीसै अपने भाले क उपयोग तीन सौ दुस्मनन पइ किहस अउर ओनका मार डाएस। उ एँतना ही प्रसिद्ध भवा कि जेतने तीन तु जोधा। 19अबीसै बाकी तीन जोधन स जियादा सम्मान पाएस। उ ओनकर प्रमुख होइ गवा, यद्यपि उ ओन मँ स एक नाहीं रहा।

20यहोयादा क पूत बनायाह एक रहा। उ ताकतवर मनई क पूत रहा। उ कबसेल क निवासी रहा। बनायाह अनेक बहादुरी क काम किहस। बनायाह मोआब क अरियल क दुई उत्तम फउजियन क मार डाएस। जब बर्फ गिरत रही, बनायाह एक तु गड़हे में खाले गवा अउर एक तु सेर क मार डाएस। 21बनायाह एक तु मिस्त्री क मारेस जउन ताकतवर जोधा रहा। मिस्त्री क हाथे में एक तु भाला रहा। किन्तु बनायाह क हाथे में एक तु लाठी रही। बनायाह मिस्त्री क हाथे क भाले क धड़ लिहस अउर ओहसे छोर लिहस। तब बनायाह मिस्त्री क भाले स मिस्त्री क मार डाएस। 22यहोयादा क पूत बनायाह उ तरह क अनेक काम किहसे। बनायाह तीन बहादुरन क जइसा प्रसिद्ध रहा। 23बनायाह क तीन जोधन स भी अधिक सम्मान पाएस, किन्तु उ तीन जोधन में स नहीं रहा। बनायाह क दाऊद अपने रच्छकन क प्रमुख बनाएस।

तीस महाजोधा

24तीस जोधन में स एक तु योआब क भाई असाहेल रहा। तीस जोधन क समूह में स दूसर मनई इ सबइ रहेन: बेतलेहेम क दोबो क पूत एल्हानन; 25हेरोदी सम्मा, हेरोदी एलीका, 26पेलेती हेलेस, तकोई इक्केस क पूत इरा; 27अनातोती क एबीएजेर; हूसई मबुनै; 28अहोही सल्मोन, नतोपाही महरै; 29नतोपाही क बाना क पूत हेलेब, बिन्यामीनी गिबा क रीबै क पूत हुतै; 30पिरातोनी बनायाह, गास क नालों क हिद्दै; 31अराबाई अबीअल्बोन, बहूरीमी अजमावेत; 32सालबोनी एल्याहबा, यासेन क पूतन; 33हरारी सम्मा क पूत योनातान, हरारी सारार क पूत अहीआम; 34माकाई अहसबै क पूत एलीपेलेप्त, गीलोई अहीतोपेल क पूत एलीआम; 35कम्मेली हेस्त्रो, अराबी पारै; 36सोबाई क नातान क पूत यिगाल, गादी बानी; 37अम्मोनी सेलेक, बेरोती क नहरै; (नहरै सरूयाह क पूत योआब क कवच लइ जात रहा); 38येतेरी ईरा, येतेरी गारेब; 39अउर हिती ऊरिव्याह सब मिलाइके इ सबइ सैंतीस रहेन।

दाऊद अपनी फउज क गनइ चाहत ह

24 यहोवा फुन इस्राएल क बिरुद्ध कोहाइ गवा। उ दाऊद क इस्राएलियन क बिरुद्ध इ कहत भवा भड़काएस, “जा, इस्राएल अउर यहूदा क लोगन क गना।”

2राजा दाऊद फउज क सेनापति योआब स कहेस, “इस्राएल क सबहि परिवार समूहन में दान स बेसेबा तलक जा, अउर लोगन क गना। तब मई जान सकब कि हुवों केतने मनइयन अहई।”

अकिन्तु योआब राजा स कहेस, “यहोवा तोहार परमेस्सर आप क सौ गुना लोग स आसिस देइ अउर आप क आँखिन इ घटित भवा लिख सकई। किन्तु आप इ काहे करइ चाहत हीं?”

4राजा दाऊद मजबूती स योआब अउ फउज क सैनापितयन क लोगन क गणना करइ क आदेस दिहस। एह बरे योआब अउ फउज क सैनापितयन दाऊद क हिआँ स इस्राएल क लोगन क गनइ गएन। 5उ पचे यरदन नदी क

पार किहेन। उ पचे आपन डेरा अरोएर में डाएन। ओनकर डेरा नगर क दाहिनी ओर रहा। (इ नगर गाद क घाटी क बीच में याजेर जाइ क रस्ता में रहा)

6तब उ पचे तहतीम्होदसी क भुईया क सारे रास्ता स होइके गिलाद क गएन। उ पचे दान्यान अउ सीदोन क चारिहुँ ओर गएन। 7उ पचे सोर क किला क गएन। उ पचे हिब्वियन अउ कनानियन क सबहि नगरन क गएन। उ पचे दक्खिनी यहूदा में बेसेबा क गएन। 8उ पचे समूचे भुईया क भ्रमण कइ चुके रहेन। उ पचे नौ महीने बीस दिन बाद यरूसलेम आएन।

9योआब लोगन क सूची राजा क दिहस। इस्राएल में आठ लाख मनई रहेन जउन तरवार भाँज सकत रहेन अउर यहूदा में पाच लाख मनई रहेन।

यहोवा दाऊद क दण्ड देत ह

10तब दाऊद क अन्तरात्मा गनती करइ क पाछे ओका परीसान कइ सुरू किहसे। दाऊद यहोवा स कहेस, “मई इ कार्य कइके बहोत घोर अपराध किहेउँ। यहोवा, मई पराथना करत हउँ कि तू मोरे पाप क छिमा करा। मई बड़की बेवकूफी किहेउँ ह।”

11जब दाऊद भिसारे उठा, यहोवा क सँदिसा गाद नवी क मिला जउन दाऊद क द्रस्टा रहा। 12यहोवा गाद स कहेस, “जा, अउर दाऊद स कहा, ‘यहोवा जउन कहत ह उ इ अहइ। मई तोहका तीन बिकल्प देत हउँ। ओनमाँ स एक क चुना जेका मई तोहरे बरे करउँ।”

13गाद दाऊद क लगे गवा अउर उ बातन किहस। गाद दाऊद स कहेस, “तीन में स एक क चुना:

1. तोहरे बरे अउर तोहरे देस क बरे सात बरिस क भुखमरी।
2. तोहार दुस्मन तोहार पाछा तीन महीने तलक करई।
3. तोहरे देस में तीन दिन तलक बीमारी फइलइ।

एकरे बारे में सोचा अउर निर्णय करा कि मई एन में स यहोवा जउन मोका पठाएस ह, क कउन स चीज बतावउँ।”

14दाऊद गाद स कहेस, “मई फुरइ परेसानी में हउँ। किन्तु एह बरे यहोवा क मोका सज़ा देइ द्या उ बहोत दयालु अहइ। मोका मनइयन स दण्डित जिन होइ द्या।”

15एह बरे यहोवा इस्राएल में महामारी पठाएस। इ भिसारे सुरू भइ अउर इ तब तलक रहा जब तलक उ चाहेस। दान स बेसेबा तलक सत्तर हजार लोग मर गएन। 16सरगदूत आपन बाँह यरूसलेम कइँती ओका नस्त करइ बरे उठाएन। किन्तु जउन बुरी बातन भइन ओनके बरे यहोवा बहोत उदास भवा। यहोवा उ सरगदूत स कहेस कउन लोगन क नस्त करत ह, “बहोत होइ चुका। अपनी बाँह नीचे करा।” यहोवा क सरगदूत यबूसी यरौना क खरिहाने स किनारे रहा।

दाऊद अरौना क खरिहाने क बेसहत ह

17दाऊद उ सरगदूत क लखेस जउन लोगन क मारेस। दाऊद यहोवा स बातन किहस। दाऊद कहेस, “मई पाप

किहेउँ ह। मई गलत किहेउँ ह। किन्तु इ लोग मोर अनुसरण भेड़ी क नाई किहन। उ पचे कउनो गलती नाहीं किहन। कृपा कइके सजा मोका अउर मोरे बाप क परिवार क द्या।”

18उ दिन गाद दाऊद क लगे आवा। गाद दाऊद स कहेस, “जा अउर एक वेदी यबूसी अरौना क खरिहान में यहोवा बरे बनावा।” 19तब दाऊद उ सबइ काम किहेस जउन गाद करइ क कहेस। दाऊद यहोवा क आदेसन क पालन किहस। दाऊद अरौना स भेंटइ गवा। 20जब अरौना निगाह उठाएस, उ राजा दाऊद अउर ओकरे सेवकन क अपने लगे आवत लखेस। अरौना बाहेर निकरा अउ आपन माथा धरती पइ टेकत भए प्रणाम किहेस। 21अरौना कहेस, “मोर सुआमी, राजा, तू आपन सेवक क लगे काहे आया ह?” दाऊद जवाब दिहस, “तोहसे खरिहान बेसहइ बरे। तब मई यहोवा बरे वेदी बनाइ सकत हउँ। तब बेमारी रुक जाइ।”

22अरौना दाऊद स कहेस, “मोर सुआमी राजा, आप कछू भी बलि-भेंट क बरे लइ सकत हीं। हिवाँ कछू गइयन सबइ होमबलि बरे अहइँ। आगी क काठ बरे देवरी क औजार अउ बर्धन क जुआ भी अहइ। 23हे राजा! मई आप क हर एक चीज देत हउँ।” अरौना राजा स इ भी कहेस, “यहोवा तोहार परमेस्सर तोह पइ खुस होइ।”

24मुला राजा अरौना स कहेस, “नाहीं। मई तोहसे फुरइ कहत हउँ, मई तोहसे भुइँया क ओकरी कीमत पइ बेसहब। मई यहोवा अपने परमेस्सर क कछू भी अइसी होमबलि नाहीं चढ़ाउब जेकर कउनो मूल्य मई नाहीं दिहे होउँ।”

एह बरे दाऊद खरिहान अउ गइयन क चाँदी क पचास सेकेल स बेसहेस।

25तब दाऊद हुवाँ यहोवा क बरे एक तु वेदी बनाएस। दाऊद होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाएस।

यहोवा देस बरे ओकर पराथना अंगीकार किहस। यहोवा इन्नाएल में बेरामी रोक दिहस।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center

Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center

All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online ad space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center

P.O. Box 820648

Fort Worth, Texas 76182, USA

Telephone: 1-817-595-1664

Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE

E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: <http://www.wbtc.org>

Order online – To order a copy of our texts online, go to: <http://www.wbtc.org>

Current license agreement – This license is subject to change without notice. The current license can be found at: <http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm>

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from: <http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html>

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from: <http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html>